आषाढ़ कृष्ण पक्ष त्रयोदमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक-356 पेज 6, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
23 जून 2025 सोमवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
26 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

दोपहर मेट्रो विशेष

एम्स के वेब पोर्टल से देह अंगों का गोपनीय डाटा हो रहा था लीक !

राजेश सिरोठिया, दिल्ली, भोपाल

देश की सबसे प्रतिष्ठित स्वास्थ्य संस्था यानी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान एम्स दिल्ली में साइबर सुरक्षा में गफलत का का एक बेहद बड़ा और संवेदनशील मामले का खुलासा हुआ है। यह एम्स के एक महत्वपूर्ण वेब पोर्टल के सायबर लीकेज से जुड़ा है। इस पोर्टल में जिसमें देश भर में होने वाली मौतों के बाद किसी दूसरे मरीज के उपयोग में आने लायक उन अंगों का डाटा होता है, जिसे प्रत्यारोपण करके संबंधित बीमारी से जूझ रहे मरीजों को बचाया जा सकता है।

देशभर के एम्स के अस्पतालों का डाटा एबीआरओ (आर्गन बैंकिंग रिट्रीलवल आर्गनाईजेशन) में एम्स दिल्ली की वेबसाइट पर रखा जाता है। यह आम लोगों या देह अंगों के सौदागरों के उपयोग के लिए कतई नहीं है। लेकिन एम्स की वेबसाइट पर इस पोर्टल पर मौजूद गोपनीय जानकारी हर कोई प्राप्त कर सकता था।। दिल्ली के नोएडा स्थित एक निजी सायबर रिसर्च संस्था नेत्रिका कंसल्टिंग इंडिया प्रायवेट लिमिटेड से जुड़े मुरैना निवासी युवा सायबर शोधकर्ता अनिकेत तोमर ने पोर्टल के इस तकनीकी दोष को पकड़ा है। तोमर के मुताबिक एम्स की इस वेबसाइट पोर्टल में ऐसा तकनीकी दोष था जिसे एम्स की वेबसाइट पर जाकर कोई भी बिना किसी पासवर्ड या प्रमाणीकरण के इस जानकारी को प्राप्त कर सकता था । इसमें अंगों की सौदागिरी करने वाले लोगों से लेकर अंगदाताओं और उनके गवाहों की संवेदनशील जानकारी सीधे हासिल की जा रही थी। तोमर ने खुद इस वेबसाइट पर जाकर इसे खोला और इसके सबूत 15 मई 2025 को भारत सरकार की संस्था सीईआरटी-इन (भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल) को सौंपी। सीईआरटी-इन ने इस शिकायत के मिलने के बाद फौरन कदम उठाते हुए एम्स की वेबसाइट पर हो रही इस लेतलाली के में गोपनीय नोटिस भेजा, तब जाकर एम्स प्रशासन नींद से जागा। इसने महीने भर के

एम्स ने गलती सुधारी लेकिन गहरी पड़ताल की जरूरत नहीं समझी

भीतर गलती को सुधार लिया। लेकिन इसके लिए न तो कोई जांच कराई और न किसी की भी जिम्मेदार तय की। संवेदनशील जानकारी की गोपनीयता भंग का यह सिलसिला कब से चल रहा था और कितनों ने इससे जानकारी हासिल करके उसका क्या इस्तेमाल किया इसकी पड़ताल के बारे में एम्स ने कोई कदम उठाने की जहमत भी नहीं उठाई।

अनिकेत ने जो जानकारी एम्स की वेबसाइट से हासिल की थी, उसमें डोनर की व्यक्तिगत जानकारी यानी नाम, फोन, ईमेल और उसके पते ठिकाने का जिक्र था। उसके चिकित्सा ब्यौरे के साथ डोनेट किए गए अंगों के रक्त समूह, उम्र के साथ गवाहों की जानकारी यानी नाम फोन पता आदि का भी उल्लेख था। यानि प्रत्यारोपित होने वाले अंगों का कारोबार करने वाले सौदागरों के हाथ यह जानकारी सीधे हासिल कर सकते थे या कर रहे थे यह सायबर जांच से ही पता लग सकता है। कितने लोगों ने या देह अंगों के सौदागरों ने इसका फायदा उठाया है, या उसका दुरूपयोग करके मोटी रकम कमाई है। इसका खुलासा तो तभी हो सकता है जब इसकी बारीकी से पड़ताल की जाए। इसकी जानकारी तो तब हासिल होगी जबकि इसकी पुलिस के साइबर विशेषज्ञों के जरिए विस्तृत जांच हो। इस चूक के लिए जिम्मेदार अफसरान को खोजा जाए। उनसे पूछताछ के बाद इस गफलत के लिए जिम्मेदार पर भारतीय न्याय संहिता से लेकर ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट या साइबर कानून के तहत कार्रवाई हो। लेकिन एम्स ने इसकी विभागीय जांच तक कराना मुनासिब नहीं समझा।

गोपनीयता की रक्षा, सिंगापुर तक ऐसे गिरोह

इस मामले पर अनिकेत तोमर का कहना है- इस खुलासे के पीछे उनकी मंशा सिर्फ पेशेवर सायबर विद्यार्थी की भूमिका के तहत तक सीमित नहीं थी। देश के एक नागरिक के रूप में मेरा फर्ज था कि मैं देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की गोपनीयता की रक्षा करूं। डेटा प्राइवेसी एक मौलिक अधिकार बन चुका है और ऐसे संस्थानों को इसकी रक्षा को लेकर सतर्क रहना चाहिए। विस्फल बलोअर के रूप में बरसों से मेडिकल माफिया के खिलाफ मुहिम चला रहे भोपाल के डॉ मुवनेश्वर गर्ग का मानना है कि यह बेहद गंभीर मसला है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। मानव अंगों की तस्करी के क्षेत्र में तो कई सौदागर सक्रिय हैं जो सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के अफसरों से मिलीभगत करके अंगों की दरकार रखने वाले मरीजों के अमीर परिजनों से लाखों की कमाई करते हैं। पूरा माफिया सरकारी से लेकर निजी मेडिकलों में सक्रिय है। भारत से लेकर श्रीलंका और सिंगापुर तक ऐसे गिरोह फैले हुए हैं जो इसी अवेध कारोबार से करोड़ों कमा रहे हैं।

4 दिन स्ट्रांग रहेगा सिस्टम: आज उज्जैन में भारी बारिश

भोपाल। साइक्लोनिक सर्कुलेशन यानी चक्रवात और टर्फ ने पूरे मप्र के तरबतर कर रखा है। इसके एक्टिव होने से अभी मप्र में चार ?दिन तक बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव बना रहेगा। आज उज्जैन में रेड, इंदौर-देवास में ऑरेंज अलर्ट है। मौसम विभाग ने इस सीजन में पहली बार उज्जैन समेत 4 जिलों में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, उज्जैन, शाजापुर, आगर-मालवा और राजगढ़ में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट है। यहां 24 घंटे में 8 इंच से ज्यादा पानी गिर सकता है।

सपा ने तीन विधायकों को पार्टी से बाहर निकाला

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने पार्टी विरोधी गतिविधियों का हवाला देते हुए तीन विधायकों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इन विधायकों में गोशाईगंज से विधायक अभय सिंह, गौरीगंज से विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार से विधायक मनोज कुमार पांडेय शामिल हैं। पार्टी ने इन विधायकों पर सांप्रदायिक और विभाजनकारी सियासत को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसान विरोधी, महिला विरोधी, युवा विरोधी और व्यापार विरोधी नीतियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। सपा ने कहा है कि इन लोगों को हृदय परिवर्तन के लिए दी गयी 'अनुग्रह-अवधि' की समय-सीमा अब पूर्ण हुई, शेष की समय-सीमा अच्छे व्यवहार के कारण शेष है।

शेयर बाजार में 600 अंकों की गिरावट

मुंबई। इस हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज सोमवार को शेयर बाजार में बडी गिरावट देखी जा रही है। सेंसेक्स करीब 600 अंक नीचे 81,800 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी करीब 200 अंक की गिरावट है, ये 24,930 के स्तर पर है। जबकि हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार, सेंसेक्स 1046 अंक चढ़कर 82,408 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 319 अंक की तेजी रही। आज एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई करीब 227 अंक नीचे 38,175 के स्तर पर और कोरिया के कोस्पी में करीब 21 अंक गिरकर 3,000 पर कारोबार कर रहा है।

ट्रंप ने ईरान में तख्तापलट का संकेत दिया, आज रात अहम बैठक

ईरान की मिसाइल फैक्ट्री पर इजरायल ने 22 सौ किमी घुसकर किया बड़ा हमला

तेलअवीव, एजेंसी

इजराइल-ईरान संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है बल्कि अमेरिका के कल के हमलों के बाद यह और तीखा हो गया है। इजराइली एयरफोर्स ने तड़के ईरान के शाहरुद में बैलिस्टिक मिसाइल का इंजन बनाने वाली फैक्ट्री पर बमबारी कर दी। यह जगह इजराइल से करीब 2000 किलोमीटर दूर है। इस हमले में इंजन बनाने वाली कई मशीनें और जरूरी इक्विपमेंट तबाह हो गए। इसके अलावा इजराइल ने तेहरान, केरमांशाह और हमादान में भी एयर स्ट्राइक की। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान में तख्तापलट के मुद्दे पर कहा- अगर मौजूदा ईरानी सरकार 'ईरान को फिर से महान' नहीं बना सकती, तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होना चाहिए? मेक ईरान ग्रेट अगेन। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने कल ईरान में तीन परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान थे। इस ऑपरेशन में अमेरिका के स्टेल्थ बॉम्बर्स ने हिस्सा लिया था और 13,608 किलो वजनी बंकर बस्टर बम गिराए।

अब आज अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नेशनल सिक्योरिटी टीम के साथ बैठक करेंगे। इसमें ईरान के साथ जारी तनावपूर्ण हालात पर चर्चा होगी। यह बैठक भारतीय समयानुसार रात दस बजे होगी। बैठक में मौजूदा हालात की समीक्षा और आगे की रणनीति पर बात होगी। उधर नॉर्थ कोरिया ने आज ईरान पर अमेरिकी हवाई हमलों की निंदा की है। उसके प्रवक्ता ने कहा अमेरिका और इजराइल जानबूझकर मिडिल-ईस्ट में तनाव भड़का रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस गंभीर स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए तथा इस सैन्य आक्रामकता की कड़ी निंदा की जानी चाहिए। वहीं फ्रांस ने घोषणा की है कि वह अपने नागरिकों को इजराइल से सुरक्षित निकालने के लिए एक मिलिट्री प्लेन भेज रहा है। इसके जरिए इजराइल से फ्रांस के लोगों को साइप्रस लाया जाएगा।

ट्रंप पर बनाया नेतन्याहू ने दबाव !

माना जाता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सिर्फ ईरान के फोर्डो न्यूक्लियर साइट का विनाश चाहते थे। फोर्डो, ईरान का सबसे गुप्त और सबसे न्यूक्लियर साइट माना जाता था। इसे अमेरिकी बॉम्बर बमों से तहस-नहस कर दिया लेकिन ट्रंप, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इजरायल के सामरिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर ने पूरे एक सप्ताह तक ट्रंप को समझाया, उनके साथ तर्क वितर्क और बहस की कि अमेरिका न सिर्फ फोर्डो का बल्कि नतांज और इस्फहान न्यूक्लियर साइट को पूर्ण रूप से खत्म कर दे। जबकि हमले के एक दिन पहले ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका दो सप्ताह में तय करेगा कि वो इजरायल-ईरान जंग में उतरे या नहीं. दरअसल ये वो समय था जब नेतन्याहू ट्रंप को राजी करने में जुटे हुए थे।

ईरान के 6 हवाई अड्डों पर भी हमला

इजराइली सेना ने ईरान के छह एयरपोर्ट पर हवाई हमला किया है। इनमें मशहद, तेहरान, हमादान, देजफुल, शाहिद बख्तरी और तबरीज के एयरपोर्ट को निशाना बनाया है। सेना ने बयान जारी कर बताया कि उसने ड्रोन हमलों के जरिए ईरान के 15 सैन्य विमान और हेलीकॉप्टर नष्ट कर दिए हैं। इन हमलों में हवाई पट्टियों, अंडरग्राउंड बंकरों, एक ईंधन भरने वाले विमान और ईरान के सु-14, सु-5 और. ॥-1 जैसे लड़ाकू विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। दूसरी तरफ ईरान ने भी इजराइल के एक हर्मीस ड्रोन को मार गिराया है।

सेंट्रल काउंसिल की बैठक

मप्र समेत 4 राज्यों के सीएम संग विश्वनाथ के दर्शन करेंगे शाह

वाराणसी/भोपाल,दोपहर मेट्रो,एजेंसी।

गृहमंत्री अमित शाह दो दिन के लिए पीएम के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में रहेंगे। उनका स्वागत एयरपोर्ट पर उप्र के सीएम योगी समेत उत्तराखंड, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री करेंगे। दरअसल कल शाह की अध्यक्षता में 25वीं सेंट्रल जोनल काउंसिल की बैठक होगी। गृहमंत्री समेत 4 राज्यों के मुख्यमंत्री और 120 अधिकारी इस बैठक में शामिल हो रहे हैं। बताया जाता है कि शाह के साथ योगी, उत्तराखंड के सी एम पुष्कर धामी,मप्र के मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साय सबसे पहले काशी विश्वनाथ मंदिर जाएंगे। फिर कालभैरव मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद बैठक स्थल पहुंचेंगे।

जानकारी के मुताबिक कल सेंट्रल जोनल काउंसिल की बैठक में विकास, सड़क, सुरक्षा, परिवहन, बिजली, पानी, पर्यावरण, वन समेत राज्यों के बीच सीमा विवाद, राज्य सरकारों से जुड़े मामलों पर चर्चा होगी। साथ ही इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या मुस्लिमों के साथ ही भारत नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ, पॉक्सो, महिला अपराध समेत अन्य सुरक्षा से संबंधित मामले भी एजेंडे में हैं। हिमालय से जुड़ी नदियों को जोड़ने, पर्यावरण, खनन, कृषि, धार्मिक पर्यटन जैसे अहम मुद्दों पर भी इस बैठक में चर्चा होगी। काउंसिल की बैठक 20 महीने पहले उत्तराखंड के नरेंद्र नगर में हुई थी। होगी। बैठक के बाद सभी का क्रूज से अस्सी घाट तक गंगा की सैर व दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में शामिल होने का भी कार्यक्रम है।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भाजपा कार्यालय के समीप मुख्यमंत्री मोहन यादव ने डा मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मेट्रो एंकर | शिक्षक विद्यालयों में पहुंचकर एक घंटे के अंतराल में ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज करेंगे

मप्र: मास्साबों की भी हाजिरी.. ई-अटेंडेंस सिस्टम का ट्रायल शुरू

भोपाल दोपहर मेट्रो

मप्र में स्कूल शिक्षा विभाग कई वर्षों के प्रयासों के बाद अब तक स्कूली व्यवस्था में ई-अटेंडेंस सिस्टम लागू नहीं कर पाया है। अब एक बार फिर इसको लेकर कवायद शुरू हुई है। विभाग आज इसका ट्रायल कर रहा है। पोर्टल 3.0 पर शिक्षक ई गवर्नेंस प्लेटफार्म के अंतर्गत 23 से 30 जून की समयावधि में इस प्रणाली का परीक्षण होगा। नवीन पोर्टल पर शिक्षकों को विद्यालयों में पहुंचकर एक घंटे के अंतराल में ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज करेंगे। जब छुट्टी होगी तब आधा घंटा पूर्व या बाद में ई उपस्थिति लगेगी। निर्धारित समय सीमा के पश्चात उपस्थिति दर्ज करने पर अर्द्ध दिवस का आकस्मिक अवकाश दर्ज किया जाएगा। जिसका शिक्षकों का देय 13 आकस्मिक अवकाश एवं 3 एच्छिक अवकाश से समायोजन किया जाएगा। समायोजन के पश्चात अवकाश अवधि को संगणित किया जाएगा। हमारे शिक्षक प्रणाली के माध्यम से ई-उपस्थिति दर्ज होगी। इस नवीन व्यवस्था में सेवकों के स्वत्वों संबंधित आवेदन प्लेटफार्म के माध्यम से प्रस्तुत करने की सुविधा होगी। अवकाश स्वीकृति, लेखों का संधारण, वेतन वृद्धि लाभ और पेंशन स्वत्व भुगतान संबंधी पूरा रिकार्ड रहेगा।

हालांकि शिक्षकों का दोबारा विरोध शुरू हो गया है। उनका कहना है कि ई-अटेंडेंस अगर लागू ही करना है तो सिर्फ शिक्षकों तक नहीं, बल्कि सारे सरकारी विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों के लिए भी लागू की जाए। प्रांतीय शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश महासचिव डॉ. कैलाश बारोड़ ने कहा है इस तरह का असमानता का माहौल शिक्षकों के सम्मान को ठेस पहुंचाता है।

मुंहदिखाई भी जरूरी !

दरअसल, एमपी शिक्षा विभाग ने 1 जुलोई जो नई व्यवस्था शुरू करने का मंसूबा बनाया है इसके तहत शिक्षकों को अब स्कूल पहुंचकर अपनी सेल्फी लेकर इस सिस्टम पर अपलोड करना होगा। इस सेल्फी के साथ उनकी लोकेशन भी पोर्टल में दर्ज हो जाएगी। स्कूल का समय खत्म के बाद भी इसी तरह दोबारा उपस्थिति दर्ज करानी होगी। स्कूलों से गायब रहकर मौज मनाने वाले शिक्षकों की अब खैर नहीं रहेगी। अब मुंह दिखाई के बिना उन्हें वेतन नहीं मिलेगा। टीचर्स अब बिना स्कूल जाए हाजिरी नहीं लगा पाएंगे। यह बदलाव ई-गवर्नेंस के तहत 'हमारे शिक्षक' प्रणाली के चलते हुए हैं।

सड़कों-कॉलोनियों में भरा पानी बना परेशानी का सबब

शहर में मानसून आते ही कल से रिमझिम बारिश का दौर है। जिसके कारण कई लोगों के लिए मौसम सुहाना है तो कइयों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। कई कॉलोनी एवं सड़कों पर बारिश का पानी भर गया है।

तेज बारिश में ट्रैक के बहने का रहता है खतरा, कई बार हो चुकी है घटना

मानसून आते ही रेलवे अलर्ट ट्रैक की निगरानी बढ़ाई

भोपाल रेल मंडल समेत पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों जोनों में अतिरिक्त अमला लगाया

भोपाल दोपहर मेट्रो

मानसून के सक्रिय होते ही रेलवे अलर्ट हो गया है। भोपाल रेल मंडल समेत पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में ट्रैक की निगरानी बढ़ा दी है इसके लिए अतिरिक्त् अमला लगाया है जो ट्रैक की पल–पल की रिपोर्ट रख रहा है।

मानसून के सक्रिय होने और तेज बारिश की आशंका के बीच ट्रैक को नुकसान का खतरा रहता है। पूर्व के वर्षों में कई बार ट्रैक का हिस्सा बह चुका है तो तीन वर्ष पहले गुना में ट्रैक का एक हिस्सा हवा में चल गया था, नीचे से मिट्टी और गिट्टी बह गई थी। इस बार बारिश में इस तरह की स्थिति न बने, इसके इंतजाम पहले ही करने के प्रयास किए हैं लेकिन तेज बारिश के समय बड़ी से बड़ी व्यवस्थाएं भी कई बार कमजोर पड़ जाती है। इन तमाम स्थितियों को देखते हुए जोन के भोपाल, कोटा व जबलपुर मंडल की सीमा में आने वाले रेलवे ट्रैक पर गश्ती बढ़ा दी है।

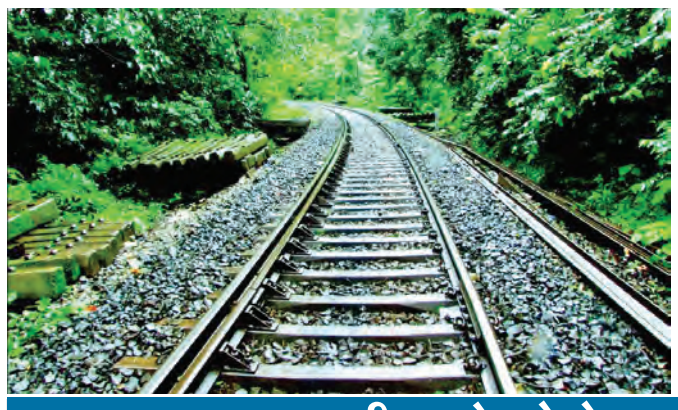

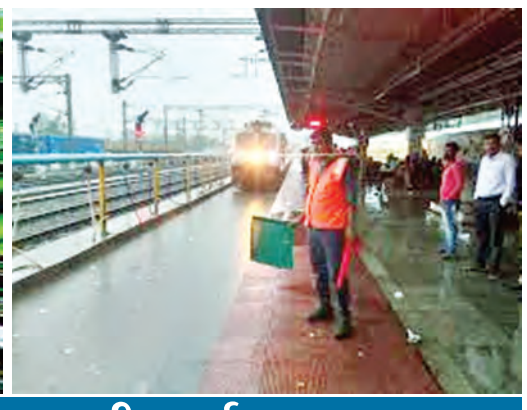

पहली बार रेलवे ये व्यवस्था भी बनाई

- **वरिष्ठ अधिकारियों का दल भी मैदान में रहेगा—** जोन के जिन भी क्षेत्रों में लगातार भारी बारिश की स्थिति बनेगी, उन क्षेत्रों में जोन व संबंधित मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों का दल पहुंचेगा और स्थितियों पर नजदीक से नजर रखेगा।
- **मैदानी अमले से 24 घंटे संपर्क में रहेंगे—** जोन व मंडल स्तर पर पदस्थ वरिष्ठ अधिकारी 24 घंटे मैदानी स्तर पर काम करने वाले अमले से संपर्क में रहेंगे। उनके प्रत्येक मैसेज को प्राप्त कर प्रतिक्रिया देंगे।
- **आधुनिक कैमरों की लेंगे मदद–** दुर्गम क्षेत्रों से गुजरने वाले रेलवे ट्रैक और भारी बारिश व बाढ़ संभावित क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी।
- **मौसम विभाग व क्षेत्र के बड़े बांध प्रबंधकों से संपर्क में रहेंगे—** भारी बारिश के कारण बांधों का जल स्तर तेजी से बढ़ता है, कई बार अचानक गेट खोलने पड़ते हैं, जिसका पानी आसपास के नदी–नालों में जाता है जिनमें बाढ़ की स्थिति बनती है। कई बार बाढ़ बड़ा रूप ले लेती है। इसका असर आसपास से गुजरने वाले रेलवे ट्रैक पर भी पड़ने का खतरा रहता है। इन स्थितियों पर नजर रखने के लिए वरिष्ठ रेल अफसर बांधों की देखरेख करने वाले विभागों व उनके अफसरों से भी संपर्क में रहेंगे।
- **मौसम विभाग की चेतावनियों पर रखी जाएगी 24 घंटे नजर—** मौसम विभाग समय–समय पर मानसून की सक्रिया को लेकर चेतावनियां जारी करता हैं, इन पर रेलवे की एक विंग खास नजर रखेगी। जरुरत पड़ी तो क्षेत्रीय मौसम वैज्ञानिकों से संवाद भी करेगी।

सर्वर डाउन : पासपोर्ट ऑफिस में परेशान हो रहे आवेदक

मध्यप्रदेश में रोजाना 2200 के आसपास अपाइंटमेंट होते हैं, सर्वर डाउन के कारण हमें इसे 600 के आसपास करना पडा

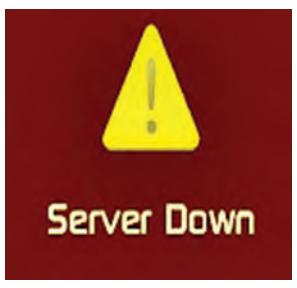

भोपाल दोपहर मेट्रो

मप्र में पासपोर्ट के आवेदकों को रिशेड्यूलिंग या अपॉइंटमेंट रद्द होने जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। पासपोर्ट सेवा का सर्वर बीते कार्य दिवस को डाउन हो गया था जो ठीक नहीं हुआ। इसके चलते आज से अपॉइंटमेंट रद्द या रिशेड्यूल करना पड़ सकते हैं। इससे आवेदकों को परेशानी हो सकती है।

बताया जा रहा है कि यह स्थिति भोपाल-इंदौर सहित प्रदेशभर के पासपोर्ट सेवा केंद्रों में बन सकती है। समस्या उन आवेदकों को अधिक होगी जो तत्काल में पासपोर्ट के लिए आवेदन करते हैं। प्रदेश में रोज एक हजार से अधिक लोग तत्काल पासपोर्ट के लिए आवेदन करते हैं।

अभी भोपाल, इंदौर के पासपोर्ट सेवा केंद्रों के अपॉइंटमेंट स्लॉट को कम करके सर्वर डाउन की समस्या से निपटा जा रहा था। पासपोर्ट के अधिकारियों के मुताबिक प्रदेश में रोज का अपाइंटमेंट 2200 के आसपास होता है। इसे शुक्रवार से 600 के आसपास करना पडा।

मेडिकल वेस्ट सड़कों पर फेंकने का मामला

लापरवाह क्लिनिक संचालक पर 10 हजार का जुर्माना ठोका

भोपाल दोपहर मेट्रो

कोलार रोड कालीबाड़ी पुल के पास खुले में मेडिकल वेस्ट फेंकने वाले क्लीनिक संचालक के खिलाफ नगर निगम के स्वास्थ्य अमले ने कार्रवाई की। निगम के अमले ने 10 हजार रुपए का जुर्माना वसूला है। रूटीन राउंड के दौरान नगर निगम जोन 18 के स्वास्थ्य अमले को कालीबाड़ी पुल के पास खुले में मेडिकल वेस्ट पद मिला।

बताया जाता है कि मेडिकल वेस्ट में क्लीनिक के कागज मिले थे, जिसके आधार पर निगम का अमला क्लीनिक पर पहुंचा। इसके बाद क्लीनिक पर मौजूद संचालक के खिलाफ कार्रवाई की। जुर्माने की कार्रवाई के बाद नगर निगम अमले ने

क्लीनिक संचालक को समझाइश दी। यदि आगे से खुले में मेडिकल वेस्ट फेंका जाता है तो और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बोट क्लब पर चलेंगे शिकारे

भोपाल। राजधानी में लोगों के सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थल बोट क्लब पर फिर रौनक लौटाने की तैयारी की जा रही है। यहां लगभग दो साल से यहां मोटर बोट और क्रूज के संचालन पर रोक है।इसका नतीजा यह हुआ कि जिस बोट क्लब पर सामान्य दिनों में तीन हजार और शनिवार-रविवार को पांच छह हजार पर्यटक आते थे, वह घटकर सिर्फ सैंकडों में रह गये हैं। लिहाजा पर्यटकों का आकर्षण लौटाने के लिये अब पर्यटन निगम यहां शिकारा चलाने की तैयारी में है। इसके लिये कश्मीर के 10 शिकारे आ चुके हैं, और 10 आना बाकी हैं। बताया जाता है कि इन शिकारों की शुरुआत कल से की जाना थीीलेकिन ऐसा नहीं हो सका। अब बताया जा रहा है कि जल्द ही इसकी विधिवत शुरुआत होगी। पर्यटन निगम के अधिकारियों को उम्मीद है कि शिकारे शुरू होने से यहां पहले सी रौनक लौट सकती है। ऐसे ही शिकारे कश्मीर में डल झील की भी शान हुआ करते हैं।

मेट्रो एंकर हिरदाराम नगर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हुए कार्यक्रम

'हरित योग' से स्वस्थ जीवन का संकल्प, स्कूलों में सामूहिक योगाभ्यास

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर संतनगर की शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों ने सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन कर स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

संत हिरदाराम प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान चिकित्सा महिला महाविद्यालय और मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 'हरित योग' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मिठी स्कूल और नवनिध स्कूल के 800 से अधिक छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय की छात्राओं के मार्गदर्शन में योगाभ्यास किया।

बोरवन पार्क में पौधारोपण भी किया गया, जिसमें झील के किनारे 100 से अधिक जलीय पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में नासिक से डॉ. अनुराधा नरवणे और मुंबई से डॉ. रीता श्रीवास्तव सहित कई गणमान्य

अतिथि उपस्थित रहे।

साधु वासवानी स्कूल

नेचुरोपैथी ऑर्गनाइजेशन सूर्या फाउंडेशन और मध्य प्रदेश प्राकृतिक चिकित्सा परिषद द्वारा आयोजित तीन दिवसीय योग शिविर का समापन हुआ। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने योग को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला बताया और प्रतिदिन 15 मिनट योग को देने का आह्वान किया। सिंधी सेंट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी ने विद्यालयों में योग पीरियड की आवश्यकता पर बल दिया। योग प्रशिक्षक हेमंत सुकरीकर और डॉ. कन्हैयालाल रंगवानी ने आसनों का अभ्यास कराया, जिससे विद्यार्थियों ने बीमारियों से बचाव और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का संकल्प लिया।

योग भगाए रोग संदेश

विश्व योग दिवस पर बोरवन क्लब ने भी सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया। भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष भगवानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे देश में योग के प्रति आकर्षण बढ़ा है। बोरवन पार्क को एक स्वास्थ्यवर्धक केंद्र बताते हुए क्लब के सदस्यों ने सूर्य नमस्कार और ताड़ासन जैसे आसनों का अभ्यास किया और नियमित योग करने का संकल्प लिया।

दीपमाला संस्कार स्कूल

योग दिवस पर बच्चों और विशिष्टजनों ने योगाभ्यास किया। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने पर जोर दिया, जबकि भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल ने योग को वैश्विक पहचान दिलाने का श्रेय पीएम मोदी को दिया।

एल.वी.एस. स्कूल

लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ हायर सेकेंडरी स्कूल, प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल और वीना चार्ली दासवानी गर्ल्स पब्लिक स्कूल में लगभग 1000 विद्यार्थियों ने योग के साथ-साथ सामूहिक सूर्यनमस्कार भी किया। शिक्षक ब्रिजकिशोर और शिक्षिका प्रतिभा कुशवाह के मार्गदर्शन में अनुलोम-विलोम, प्राणायाम और अन्य योगासन सिखाए गए।-

योग दिवस- 'योग संगम' और रोग निवारण शिविर

हिरदाराम नगर। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आरोग्य केंद्र में 'योग संगम' और रोग निवारण शिविर के अनुभव सत्र का आयोजन किया गया। योग दिवस को 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य' थीम पर मनाया गया। आरोग्य केंद्र द्वारा दस दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया, जिसके तहत पांच निर्दिष्ट केंद्रों पर सामूहिक योग सत्र आयोजित हुए। 21 जून को मुख्य योग संगम कार्यक्रम में आरोग्य केंद्र में 162 साधकों ने कॉमन योगा प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, एमबीए कॉलेज, बोरवन वॉकिंग ट्रैक और सरोजिनी नायडू शासकीय विद्यालय जैसे स्थानों पर भी योग सत्र आयोजित किए गए, जिनमें कुल 206 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 13 से 22 जून 2025 तक चले रोग निवारण शिविर का अनुभव सत्र भी 21 जून को दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ शुरू हुआ।

जब मोहन ने बारिआम गांव की महिलाओं से खरीदे आम...

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को सपत्नीक नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी प्रवास पर पहुंचे। पचमढ़ी से लौटते वक्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बारिआम गांव में सड़क किनारे टोकरी में रखकर आम बेच रहीं महिलाओं और बच्चों को देखकर अपना काफिला रूकवाया। मुख्यमंत्री ने आम बेच रहीं सभी महिलाओं से आत्मीय संवाद किया। पूछा - रोज कितने के आम बेच लेती हो ? मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर आम विक्रेता बसंती टेकाम की खुशी का ठिकाना न रहा, उसने प्रफुल्लित होकर बताया कि सर, रोज सुबह से शाम यहां बैठते हैं, तो 400 से 500 रूपए के आम बिक ही जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समीप ही खड़ी बसंती की बेटी को देखकर पूछा - क्या ये बिटिया स्कूल जाती है ? महिला ने कहा कि हां सर, सीएम राइज स्कूल में पढ़ती है। मुख्यमंत्री ने हर्ष जताकर कहा कि अरे बिटिया, अब उसका नाम सांदीपनि विद्यालय हो गया है।

120 शिकायतों में 15 शिकायतें छात्राओं ने दर्ज कराईं, शेष शिकायतें जूनियर छात्रों ने सीनियर के खिलाफ दर्ज कराईं

कॉलेज-विवि में नहीं थम रही रैगिंग, 16 माह में दर्ज की गईं 120 शिकायतें

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश के कॉलेज-विश्वविद्यालयों में रैगिंग के मामले थम नहीं रहे हैं। हालात यह है कि बीते डेढ़ माह में करीब 120 शिकायतें दर्ज हुई हैं। जिसमें सबसे अधिक 30 शिकायतें केवल मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर में दर्ज हुई हैं। इसके अलावा राजधानी के तीन प्रमुख संस्थान राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि (आरजीपीवी), मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) और बरकतउल्ला विवि (बीयू) भी इसमें पीछे नहीं हैं। यहां लगभग 7-7 शिकायतें दर्ज की गई हैं।

हेल्पलाइन में दर्ज 120 शिकायतों में 15 शिकायतें छात्राओं ने दर्ज कराई हैं। शेष शिकायतें जूनियर छात्रों ने सीनियर के खिलाफ दर्ज की हैं। रैगिंग लेने में छात्राएं भी पीछे नहीं रही हैं। उन्होंने अपनी जूनियर छात्राओं को प्रताड़ित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। वर्तमान में एक प्रकरण हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है। इसमें छात्रा से एमबीबीएस की सीट छोड़ने पर कॉलेज ने 30 लाख रुपए की मांग कर दी है।

औसतन हर चौथे दिन में रैगिंग की शिकायत-

एंटी रैगिंग हेल्पलाइन के आंकड़ों के अनुसार 15 महीने में दर्ज रैगिंग के 120 प्रकरण यानि औसतन हर चौथे दिन में रैगिंग की शिकायत दर्ज हुई है। वर्ष 2024 में 12 माह में करीब 80 और वर्ष 2025 के चार माह में करीब 40 शिकायतें दर्ज हुई हैं।

हेल्पलाइन में 112 शिकायतों के निराकरण

हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों में 112 का निराकरण किया जा चुका है। शिकायतों का निराकरण करने के लिए सीनियर छात्रों को दंडित किया गया। कुछ प्रकरणों में उन्हें समझाइश देकर छोड़ा गया है। यहां तक कि उनसे और उनके पालक से शपथ पत्र तक लिए गए हैं। आठ प्रकरणों में अभी कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। बीयू में हुई रैगिंग की शिकायत में दस विद्यार्थियों को दो माह के लिए हास्टल से निलंबित किया गया है।

सीएम मोहन रहेंगे मौजूद, आयोजित होगा वाटरशेड सम्मेलन

देश में रिकार्ड बनाने वाले खंडवा में होगा जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बारिश का पानी भू-गर्भ तक पहुंचाकर उसे सहेजने संबंधी काम करके देश भर में पहचान बना चुके खंडवा में 30 जून को जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन होगा। इसके समापन के लिए वाटरशेड सम्मेलन बुलाया जा रहा है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने शनिवार निवास पर बुलाई बैठक में इस बात की जानकारी दी और इन अनुरूप अफसरों से तैयारियां करने को कहा।

उल्लेखनीय है कि केंद्र के जल संचय-जनभागीदारी अभियान के तहत खंडवा ने पानी की सहेजने वाली सर्वाधिक संरचनाओं का समय से पहले निर्माण पूरा किया है। इसमें कूप निर्माण, सोखता टैंक, नलकूप, बोरवेल, बावड़ियां, खेत तालाब, अमृत तालाब, लघु बांध आदि शामिल है। यहां तक कि नदियों को पुर्नजीवित करने संबंधी प्रयासों पर भी काम किया है।

सीएम ने यह भी कहा-

- बड़े तालाब और पुरानी बावड़ियों को भी अभियान से जोड़ा जाए।
- बड़े तालाब में शिकारा भी चलाया जा सकता है या नौकायन प्रतियोगिता भी कराई जा सकती है। इससे जनता का जुड़ाव बढ़ेगा।
- पानी बचाने से जुड़े काम में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता जरूरी हो।

खंडवा में 50 हजार प्रतिभागी शामिल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी ने अभियान के तहत अब तक हुई गतिविधियों एवं प्राप्त उपलब्धता की जानकारी दी। बताया कि इस अभियान में खंडवा जिले में जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय काम हुआ है। इसीलिए अभियान का समापन समारोह भी खंडवा में ही प्रस्तावित है। समापन समारोह में खण्डवा जिले के निकटवर्ती खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर एवं अन्य जिलों के प्रतिभागी शामिल होंगे। समापन समारोह में खण्डवा में प्रदेश के सभी 20 हजार जलदूत सहित वाटरशेड परियोजनाओं के सभी उपयोगकर्ता दल, सभी स्व-सहायता समूह, कृषक उत्पादक संगठनों के सभी सदस्य, वाटर शेड समितियों के पदाधिकारी, उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरपंच, अमृत सरोवरों के उपयोगकर्ता दलों के सदस्य, इस अभियान के तहत निर्मित खेत तालाबों के हितग्राही, विभिन्न विभागों के जल संरक्षण कार्यों के हितग्राही सहित करीब 50 हजार प्रतिभागी शामिल होंगे।

400 मिलियन क्यूबिक लीटर पानी सहे पाएंगे

अनुमान है कि उक्त जिले में जितनी तादाद में पुरानी और नई जल संरचनाओं में जल संजोया गया है, उनसे करीब 400 मिलियन क्यूबिक लीटर जल संचयन हुआ है। अभियान के तहत 1.03 लाख पुराने कुंओं में जल पुनर्भरण हुआ है। पुरानी बावड़ियों को भी साफ कराया गया है। समापन समारोह में सभी सहभागी विभागों द्वारा इस अभियान के अंतर्गत किए गए जल संरक्षण और संवर्धन, जल स्रोतों का प्रदूषण कम करने, ऐतिहासिक जल संरचनाओं को संरक्षित करने, जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई आदि विषयों पर हुए उत्कृष्ट कार्यों का प्रदर्शन करते हुए एक वृहद प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

ये होंगे सम्मानित

जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह में प्रदेश के प्रत्येक वाटरशेड जिले की एक वाटरशेड कमेटी के अध्यक्ष, प्रत्येक वाटरशेड जिले के एक डब्ल्यूडीटी सदस्य, सर्वाधिक खेत तालाब, कूप पुनर्जलभरण कराने वाली ग्राम पंचायतों के सरपंच तथा नगरीय क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ जल संरक्षण कार्य करने वाले निकायों के महापौर, अध्यक्ष को मंच से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा अभियान के तहत भौतिक रूप से पूरे हो चुके निर्माण कार्यों (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के कार्य भी शामिल रहेंगे), नगरीय विकास विभाग द्वारा अभियान के दौरान जीर्णोद्धार की गई जल संग्रहण संरचनाओं, जल संसाधन विभाग द्वारा पूरी की गई लघु और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं सहित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के कार्यों की आयोजना और प्रबंधन के लिए वाटरशेड-डब्ल्यूएमएस का लोकार्पण किया जाएगा।

जल स्रोतों के निर्माण कार्य तेज गति से किए जा रहे पूरे

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश में 30 मार्च से शुरू किये गये जल गंगा संवर्धन अभियान में जिलों में जल संरक्षण और उनके स्रोत के आस-पास साफ-सफाई के कार्य जनभागीदारी से लगातार किये जा रहे हैं। इसी के साथ प्रदेशभर में जल स्रोतों के निर्माण कार्य तेज गति से पूरे किये जा रहे हैं। खंडवा में 30 जून को राज्य स्तरीय वॉटर शेड सम्मेलन के साथ इस अभियान का समापन होगा। राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे। करीब तीन माह से चल रहे अभियान में प्राचीन बावड़ियों को चिन्हित किया गया और उनके ऐतिहासिक महत्व की जानकारी जनसामान्य को दी गई। प्रदेशभर में जल चौपाल और जल यात्राओं का निरंतर आयोजन किया गया। ग्रामीणों को अच्छे भविष्य के लिये जल संरक्षण की गतिविधियां निरंतर आयोजित करने के लिये शपथ दिलाई गई।

सतना जिले के नगर परिषद बिरसिंहपुर में विधायक श्री सुरेंद्र सिंह गहरवार के नेतृत्व में शीतला माता वार्ड क्रमांक-3 में तालाब का गहरीकरण मेड़ बंधान का कार्य किया गया है। नगर में इस तालाब निर्माण कार्य को देखकर जनता में खुशी का माहौल है। जल गंगा संवर्धन अभियान से पहले क्षेत्र के इस तालाब का नामोनिशान मिट गया था। जनभागीदारी से यह तालाब क्षेत्र के लोगों में नया विश्वास पैदा करेगा।

नगर निगम ग्वालियर में लापरवाही बरतने पर 2 उपयंत्री निलंबित

भोपाल। नगर पालिक निगम ग्वालियर में कार्यों में लापरवाही बरतने पर 2 उपयंत्रियों को निलंबित किया गया है। यह कार्रवाई नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने पिछले दिनों प्रदेश में नगर निगम में कार्यरत उपयंत्रियों की कार्यों की समीक्षा करने और लापरवाही बरतने वाले उपयंत्रियों के खिलाफ निलंबन जैसी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश नगर निगम आयुक्तों को दिये थे। नगर निगम ग्वालियर में पदस्थ उपयंत्री आशीष राजपूत को अपने क्षेत्र में निर्माण कार्यों की उचित निगरानी न करने और कर्त्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने पर निलंबित किया गया है। एक अन्य उपयंत्री राजीव पाण्डेय को जल प्रदाय और सीवर संधारण कार्य में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित किया गया है। राजीव पाण्डेय लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से प्रतिनियुक्ति पर नगर निगम ग्वालियर में पदस्थ थे।

35,000 से अधिक कैडेट्स का सिकल सेल एवं थैलेसीमिया रोग के लिए हुआ परीक्षण

एनसीसी कैडेट्स ने सिकल सेल एवं थैलेसीमिया मित्र बन रचा इतिहास

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

एनसीसी डायरेक्टोरेट मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ ने सिकल सेल और थैलेसीमिया उन्मूलन कार्यक्रम के लिए एक ऐतिहासिक पहल की है। इस कार्यक्रम के तहत, 35,000 से अधिक कैडेट्स का सिकल सेल एवं थैलेसीमिया रोग के लिए परीक्षण किया गया है। थैलेसीमिया सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम एनसीसी एमपीसी डायरेक्टरेट के एडीजी मेजर जनरल विक्रांत एम धोनी एवं भोपाल ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर अजीत सिंह के नेतृत्व में किया जा रहा है।

इस इस उन्मूलन कार्यक्रम को विशेष तौर पर विषय विशेषज्ञ एनसीसी डायरेक्टरेट मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के नोडल हेड लेफ्टिनेंट डॉक्टर चंद्र बहादुर सिंह दांगी की अध्यक्षता में की जा रही है।?इसमें मप्र में 135 सीएटीसी और एटीसी शिविरों में 35,000 से अधिक कैडेट्स का परीक्षण किया गया। यह मिशन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और भारत सरकार के जनजातीय मंत्रालय के सहयोग से शुरू किया गया था।?

मेट्रो एंकर

विदिशा जिले के पठारी क्षेत्र में मूर्ति कला से मिल रहा है रोजगार

मनमोहक मूर्तियां मोह रहीं भक्तों और कला प्रेमियों को

दोहपर मेट्रो, संत हिरदाराम नगर।

विदिशा जिले की तहसील पठारी क्षेत्र में अद्भुत पत्थर से बेशकीमती मूर्तियों का निर्माण किया जा रहा है। श्रद्धा, आस्था और भक्ति की केंद्र बन रही मूर्तियां भक्तों और कला प्रेमियों की पहली पसंद बन गई है। यहां की मूर्तियां देशभर में वास्तु और मूर्ति कला संरक्षण और उत्थान का काम कर रही हैं। जिले की तहसील पठारी के ग्राम सैदपुर में पत्थर मूर्तियों का निर्माण किया जा रहा है। यह मूर्तियां ग्राम सैदपुर के लाल, पीले और भूरे रंग के अद्भुत पत्थर से बनाई जा रही हैं।

पत्थर खदान मालिक डिंपल सिंघई ने बताया कि पठारी क्षेत्र से पूरे देश में जैन मंदिरों के फाउंडेशन बनाने वाले पत्थर ब्लॉक भेजे जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय लेबोरेटरी में सैदपुर खदान का पत्थर का गुणवत्ता के कारण चयन किया गया। आर्किटेक्चर प्रियंक जैन, मुख्य कलाकार रंजीत बेहरा और उत्तम मलिक ने बताया कि मूर्ति निर्माण के लिए विशेष मुहूर्त में पत्थर को वैदिक विधि से आमंत्रित किया जाता है। पत्थर को मूर्ति का रूप देने के लिए ड्राइंग करके तराशा जाता है। इसके बाद फिर ड्राइंग करके नक्काशी की जाती है। मूर्ति पर डिजाइन बनाकर सफाई, घिंसाई और पॉलिश कर चिन्ह अंकित कर अंतिम रूप दिया जाता है।

मुख्य रूप से नागर शैली स्थापत्य कला के लिए बनाई जा रही मूर्तियों में मथुरा शैली और गंधार शैली का अनूठा संगम नजर आता है। एक फुट से लेकर 13 फुट तक की भीमकाय मूर्तियों का निर्माण उड़ीसा, कोलकाता, चेन्नई, राजस्थान और मध्यप्रदेश के कुशल कलाकारों के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें जैन मूर्तियों में ध्यान मग्न अवस्था, विशाल बंद नेत्र, घुंघराले केश, सुडोल कंधे, गोद में दोनों हाथ रखे हुए तीर्थंकरों के हृदय पर श्री वत्स चिन्ह प्रतिमाओं की शोभा बढ़ाते है।

संपादकीय

भाषा से जुड़े व्यापक संकेत

अपनी भाषा का संरक्षण किए, अपनी संस्कृति की सुरक्षा नहीं की जा सकती इसलिये हर संवेदनशील देश तथा समाज अपनी भाषा और संस्कृति को लेकर सतर्क रहता है। इस परिप्रेक्ष्य में हाल का केंद्रीय गृहमंत्री का भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को लेकर दिया गया बयान काफी गौरतलब बन पड़ा है। उन्होंने दावे के साथ कहा है कि आने वाला समय भारतीय भाषाओं का होगा और अंग्रेजी बोलने वाले शर्म करेंगे। उनके बयान से इस उम्मीद को बल मिला है कि राष्ट्रभाषा का मसला सुलझ सकता है। यद्यपि हकीकत यही है कि सेतु भाषा के रूप में स्वीकार की गई अंग्रेजी का वर्चस्व अधिक है। सरकारी कामकाज, न्यायालयों, शिक्षा, व्यापार आदि में हालांकि भारतीय भाषाओं का चलन पहले की तुलना में बढ़ा है, पर इतना नहीं कि अंग्रेजी की जगह ले सके या उसे विस्थापित कर सके। ऐसे में गृहमंत्री का बयान समझा जा सकता है। आजादी के बाद लगभग सर्वस्वीकृत था कि हिंदी राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित हो सकेगी, पर अब तक कई क्षेत्रीय भाषाओं के साथ ही इसका तालमेल अब तक ठीक से नहीं बन पाया है। अक्सर कुछ राज्यों से हिंदी को लेकर विरोध के स्वर उभरते देखे जाते हैं।इनमें महाराष्ट्र व तमिलनाडु से उठे ऐसे स्वर तो ताजा ही हैं। यहां शिक्षा में त्रिभाषा सूत्र लागू करने के लिए संघर्ष देखा गया। हालांकि महाराष्ट्र ने अब हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में मान्यता दे दी है। आज जब ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में काफी तरक्की हो चुकी है, खासकर शिक्षा के क्षेत्र में अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व बढ़ता ही दिखाई देता है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से सवाल उठते रहते हैं कि इस तरह आखिर भारतीय भाषाओं में ज्ञान के प्रसार का रास्ता प्रशस्त कैसे हो सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार पर बल दिया गया है। मगर यह काम अपनी भाषा में ही संभव हो सकता है। अंग्रेजी में पहले ही बहुत सारी ज्ञान संपदा की गलत व्याख्याओं से सांस्कृतिक धुंधलका छा गया है। गृहमंत्री का वक्तव्य इस संदर्भ में व्यापक अर्थ वाला है। यह सही है कि कई बार बदलते समय के मुताबिक भाषाओं को अपनी उपयोगिता सिद्ध करने में कठिनाई आती है, मगर भाषाओं का अस्तित्व केवल व्यापारिक-वाणिज्यिक जरूरतों से जुड़ा नहीं होता। गृहमंत्री ने इस संदर्भ में साहित्य का महत्त्व रेखांकित किया कि साहित्य हमारे समाज की आत्मा है। यह सदियों से हमारी संस्कृति, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा करता आया है। कुछ लोगों को सदा से लगता रहा है कि इस तेजी से बदलते दौर में, जब दुनिया विश्वग्राम बन चुकी है, अंग्रेजी के बिना तरक्की संभव नहीं है। मगर इस सच्चाई से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि भारतीय ज्ञान परंपरा को अवरुद्ध या कहीं-कहीं उसकी धारा को पूरी तरह खत्म कर देने में अंग्रेजी का बड़ा हाथ रहा है। जिसे भारतीय आत्मा कहा जाता है, उसकी रक्षा भारतीय भाषा के जरिए ही संभव है। हालांकि गृहमंत्री ने भी स्वीकार किया कि विदेशी पहचानों से मुक्ति पाने में वक्त लगेगा और भारतीय भाषाओं का वास्तविक स्वरूप विकसित होने में कुछ कठिनाई है, पर यह संभव होगा। भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन का जिम्मा चूंकि गृह मंत्रालय पर है। हालांकि जहां तक अंग्रेजी का सवाल है तो आधुनिक आईटी युग में इसकी जरूरत व महत्ता भी छिपी नहीं है, देश के बाहर रोजगार या व्यवसाय करने वालों के लिए भी इसकी जरूरत से सभी वाकिफ भी हैं। मगर गृहमंत्री जब अंग्रेजी को विस्थापित कर भारतीय भाषाओं का वर्चस्व स्थापित करने का दावा कर रहे हैं, तो माना जाना चाहिये कि इसे लेकर कोई ठोस व संतुलित खाका भी होगा,इसके सामने आने का इंतजार करना चाहिए।

जीवन में हार-जीत लगी रहती है, लेकिन सफलता सिर्फ उसी व्यक्ति को मिलती है जो अपनी गलतियों और हार से सीख लेकर आगे बढ़ता है।

- श्रीमद्भगवत गीता

आज का इतिहास

- 1953 - जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की कश्मीर में कैद के दौरान अस्पताल में मौत हो गई।
- 1980 - भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी के बड़े पुत्र संजय गाँधी की विमान दुर्घटना में मृत्यु।
- 1985 - एयर इंडिया का यात्री विमान आयरलैंड तट के क़रीब हवा में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, 329 यात्रियों की मौत।
- 1992 - न्यूयॉर्क के सबसे बड़े माफिया परिवार के प्रमुख गोत्ती को धोखाधड़ी और हत्या के पांच मामलों में उम्रक़ैद की सजा।
- 1994 - संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने दक्षिण अफ़्रीका की सदस्यता को मंजूर किया, उत्तरी कोरिया द्वारा परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाये जाने की घोषणा।
- 1995 - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 50 वर्ष के इतिहास में 100वाँ प्रस्ताव (साइप्रस में शांति सैनिकों की अवधि बढ़ाने के संबंध में) पारित किया।
- 1996- शेख हसीना वाजिद ने बंगलादेश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।
- 2008 -प्रसिद्ध बंगाली अभिनेता सौमित्र चटर्जी को दादा साहब फाल्के पुरस्कार देने के लिए चयन समिति ने सिफ़ारिश की। नेपाल की तत्कालीन सरकार ने संयुक्त राष्ट्र मिशन की अवधि बढ़ाने की मंजूरी दी।
- 2014- गुजरात का 'रानी की वाव' और हिमाचल का ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क विश्व धरोहर सूची में शामिल हुआ।

निशाना

शुरू हो गया खेल !

-कृष्णेन्द्र राय

धमकी और धमाका ।
शुरू हो गया खेल ।।
अपने अपने स्तर पर ।
रहे सब धकेल ।।
है बमबारी चरम ।
खतरा भी मंडराया ।।
बैठकों का दौर ।
डर का भी तो साया ।।
दूर दूर तक कोई ।
दिखतता नहीं उपाय ।।
हैं हम ही अब ताकतवर ।
खुल कर दिया बताय ।।
दोराहे पर दुनिया ।
सब कुछ रही निहार ।।
कब किधर और कैसे ?
हो जाए प्रहार ।।

विश्व तनाव में योग और आयुर्वेद से स्वस्थ शांति का अनूठा भारतीय अभियान

■ आलोक मेहता

विश्व ने 21 जून को 11वीं बारएक साथ योग अभ्यास किया । योग का सीधा-साधा अर्थ होता है जुड़ना और ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरे विश्व को जोड़ा है। । दुर्भाग्य से आज पूरी दुनिया किसी न किसी तनाव से गुजर रही है। कितने ही क्षेत्रों में अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है 7 प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का यह विचार कोई कोर कल्पना सपना नहीं है 7 योग केवल एक अभ्यास नहीं है - यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य, आंतरिक शांति और वैश्विक कल्याण के लिए एक आंदोलन है। ÷एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग÷ थीम केंद्र में है । 2025 की थीम शारीरिक, मानसिक और पर्यावरणीय कल्याण को बढ़ावा देने में योग की भूमिका पर प्रकाश डालती है, जो स्थिरता और एकता के लिए वैश्विक आह्वान के साथ सामने रखी गई । यह 2014 में भारत के प्रस्ताव के बाद संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दिए जाने के एक दशक की सफलता पर आधारित है। राजनीति से हटकर इस तरह के मुद्दों पर समाज और विश्व का ध्यान दिलाया जाना चाहिए ।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को अब वैश्विक पहचान मिलने जा रही है। आयुष मंत्रालय (आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बीच इसी 20 मई को एक बड़ा समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिलेगी और वैज्ञानिक तरीके से दर्ज किया जाएगा।भारत सरकार के आयुष मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ। इस समझौते के जरिए अब डब्ल्यूएचओ के स्वास्थ्य हस्तक्षेपों का अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (आईसीएचआई) में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के लिए एक खास पारंपरिक चिकित्सा मॉड्यूल जोड़ा जाएगा। विश्व स्वास्थय संगठन के डायरेक्टर जनरल डॉ. टेड्रोस घेब्रेयेसस ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत की तरफ से पारंपरिक चिकित्सा और आईसीएचआई पर डब्ल्यूएचओ के काम के लिए 30 लाख डॉलर की मदद देने के समझौते पर हस्ताक्षर करके खुशी हुई। हम सभी के लिए स्वास्थ्य के लिए भारत की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं।डब्ल्यूएचओ का आईसीएचआई एक वैश्विक प्रणाली है जो यह रिकॉर्ड करती है कि मरीजों को कौन-कौन से इलाज या चिकित्सा प्रक्रिया दी जा रही हैं। अब इसमें पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों जैसे आयुर्वेद की पंचकर्म प्रक्रिया , योग थेरेपी,यूनानी रेजीमेंस , सिद्ध चिकित्सा विधियांको भी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार दर्ज किया जाएगा।वैश्विक मान्यता से आयुष से जुड़ी चिकित्सा पद्धतियों को अब दुनिया भर में एक वैज्ञानिक और मानकीकृत पहचान मिलेगी। बीमा कवर में आसानी- आयुष के इलाज अब हेल्थ इंश्योरेंस योजनाओं में भी आसानी से शामिल किए जा सकेंगे। अस्पतालों में रिकॉर्ड रखने, शोध और मेडिकल डेटा को वैज्ञानिक तरीके से दर्ज करने में मदद मिलेगी। अब आयुष पद्धतियां सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि दुनिया के अन्य देशों में भी अधिक भरोसे और स्वीकार्यता के साथ अपनाई जा सकेंगी।आयुर्वेद चिकित्सा वैकल्पिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में ब्रिटेन , जर्मनी तथा अन्य यूरोपीय देशों के साथ और अमेरिका में लोकप्रियता हासिल कर रही है । यद्यपि इसकी जड़ें भारत, नेपाल और श्रीलंका में गहराई से जमी हुई हैं, तथापि इसकी पहुंच विश्व स्तर पर फैल रही है,जहां लोग स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के प्रति इसके समग्र दृष्टिकोण की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। यह प्रवृत्ति जीवनशैली से संबंधित बीमारियों के बारे में बढ़ती जागरूकता और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समाधान की इच्छा जैसे कारकों से प्रेरित है। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) में आयुर्वेद को औपचारिक रूप से शामिल करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। ब्रिटेन की सर्वदलीय संसदीय समिति ने आयुर्वेद को एक प्रभावी और बेहतर चिकित्सा पद्धति मानते हुए इसे स्वास्थ्य सेवा में अपनाने की सिफारिश की है। इस पहल के तहत, अगले पांच वर्षों में ब्रिटेन में लगभग 10,000 आयुर्वेदिक डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी। भारतीय आयुर्वेदिक डॉक्टरों के लिए यह एक बड़ा अवसर साबित हो सकता है। ब्रिटेन में आयुर्वेद आधारित सौंदर्य, शैक्षणिक और स्वास्थ्य सेवाओं के संस्थानों की संख्या भी अगले पांच वर्षों में 100 से बढ़कर 500 होने की उम्मीद है। ब्रिटिश कॉलेज फॉर आयुर्वेद में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या इस साल 70त्न तक बढ़ी है। इनमें ब्रिटिश छात्रों के बाद फ्रांस और जर्मनी के छात्र दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। ब्रिटेन में सरकारी क्षेत्र के साथ-साथ प्राइवेट सेक्टर भी आयुर्वेद को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। आयुर्वेद के औपचारिक

रूप से एनएचएस का हिस्सा बनने से इसे वैश्विक स्तर पर और मान्यता मिलने की संभावना है। यह कदम न केवल आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा, बल्कि भारतीय डॉक्टरों और छात्रों को भी अंतरराष्ट्रीय अवसर प्रदान करेगा। अस्पतालों में रिकॉर्ड रखने, शोध और मेडिकल डेटा को वैज्ञानिक तरीके से दर्ज करने में मदद मिलेगी।

आयुर्वेद ब्रिटेन में अधिक लोकप्रिय होने का पर्याप्त कारण है 7आधुनिक जीवनशैली के कारण अक्सर तनाव, व्यायाम की कमी और संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं, जिससे लोग आयुर्वेद जैसे वैकल्पिक उपचार अपनाने को मजबूर होते हैं। आयुर्वेद का ध्यान समग्र उपचार पर है, जिसमें आहार, जीवनशैली में समायोजन और हर्बल उपचार शामिल हैं, और यह उन लोगों को आकर्षित करता है जो केवल लक्षणों से राहत के बजाय दीर्घकालिक कल्याण और निवारक देखभाल चाहते हैं।

आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकरण-इस बात को मान्यता मिल रही है कि आयुर्वेदिक सिद्धांत किस प्रकार आधुनिक चिकित्सा के पूरक हो सकते हैं, विशेष रूप से दीर्घकालिक रोगों के प्रबंधन और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में। ब्रिटेन में योग्य आयुर्वेदिक चिकित्सकों, क्लीनिकों और स्पा की संख्या बढ़ रही है, जिससे उपचार या मार्गदर्शन चाहने वालों के लिए यह अधिक सुलभ हो रहा है। आयुर्वेद बाजार विश्व स्तर पर, जिसमें ब्रिटेन भी शामिल है, पर्याप्त वृद्धि का अनुभव कर रहा है, तथा आने वाले वर्षों में बाजार के आकार में उल्लेखनीय वृद्धि होने का अनुमान है। बताया जाता है कि 2025 में केवल आयुर्वेद से एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व आएगा। योग और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को लेकर पूरी दुनिया में जिज्ञासा बढ़ रही है। बड़ी संख्या में युवा योग और आयुर्वेद को स्वास्थ्य के एक बेहतरीन माध्यम के रूप में अपना रहे हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण अमेरिका का एक देश है चिली। वहां आयुर्वेद तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। ब्राजील की अपनी यात्रा के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने चिली के राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान भी आयुर्वेद की लोकप्रियता को लेकर विस्तार से चर्चा हुई थी।हाल में साइप्रस के साथ समझौते में आयुर्वेद के सहयोग की चर्चा है 7दुनिया भर में आयुष प्रणालियों की तेज़ी से बढ़ती लोकप्रियता और इसमें प्रमुख हितधारकों के योगदान को स्वीकार करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, ÷मुझे सोमोस इंडिया नाम की एक टीम के बारे में पता चला है। स्पेनिश में इसका मतलब है - हम भारत हैं। यह टीम लगभग एक दशक से योग और आयुर्वेद को बढ़ावा दे रही है। उनका ध्यान इलाज के साथ-साथ शैक्षणिक कार्यक्रमों पर भी है। वे योग और आयुर्वेद से जुड़ी जानकारियों का स्पेनिश भाषा में अनुवाद भी करवा रहे हैं। न्यूयॉर्क स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने टाइम्स स्क्वायर एलायंस के साथ मिलकर ग्रीष्म संक्रांति के दिन टाइम्स स्क्वायर पर विशेष योग सत्र का आयोजन किया विश्व में योग के प्रसार के लिए भारत, योग की साइंस को आधुनिक रिसर्च से और अधिक सशक्त कर रहा है। देश के बड़े-बड़े मेडिकल संस्थान योग पर रिसर्च में जुटे हैं। योग की वैज्ञानिकता को आधुनिक चिकित्सा पद्धति में स्थान मिले, यह प्रयास भी है।मेडिकल और रिसर्च इंस्टीट्यूशन्स में, योग के क्षेत्र में एविडेंस बेस्ड थेरेपी को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है । इस दिशा में दिल्ली के एम्स ने भी बहुत अच्छा काम करके दिखाया है। एम्स की रिसर्च में सामने आया है कि योग की हृदय और न्यूरोलॉजी डिस्ऑर्डर्स के उपचार और महिलाओं के स्वास्थ्य रक्षा में अहम भूमिका है। हील इन इंडिया का मंत्र भी दुनिया में काफी पॉपुलर हो रहा है। भारत-दुनिया के लिए हीलिंग का बेस्ट डेस्टिनेशन बन रहा है। योग की इसमें भी बड़ी भूमिका है। मुझे खुशी है कि योग के लिए कॉमन योग प्रोटोकॉल बनाया गया है। योग कार्यक्रम के साढ़े छह लाख से अधिकवॉलंटियर्स, करीब 130 मान्यता प्राप्त संस्थान और मेडिकल कॉलेजों में 10 दिन का योग मॉड्यूल, ऐसे अनेक प्रयास, एक होलिस्टिक इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं। देशभर में आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं, जहाँ प्रशिक्षित योग शिक्षक तैनात किए जा रहे हैं। दुनियाभर के लोगों को भारत के इस वेलनेस इकोसिस्टम का फायदा मिले, इसलिए विशेष ई-आयुष वीज़ा दिए जा रहे हैं।

पड़ोसी देशों से बेहतर रिश्ते बनाने की हो कोशिश

■ गुरबचन जगत

'दुश्मन को बिना लड़े हरा देना, कौशल की पराकाष्ठा है'-प्रसिद्ध चीनी जनरल सन त्जु ने यह सूक्ति 500 ईसा पूर्व दी थी; जो आज भी सटीक है। चीनी अपने पुरातन सैन्य रणनीतिकारों के अच्छे शिष्य रहे हैं, जैसा कि भारतीय उपमहाद्वीप और हिंद महासागर को लेकर उनकी भू-राजनीतिक रणनीति 'स्ट्रिंग ऑफ़ पर्ल्स' में परिलक्षित है, जहां से होकर वैश्विक जहाजरानी का बड़ा हिस्सा गुजरता है। उन्होंने ग्वादर (पाकिस्तान), हम्बन्तोता (श्रीलंका), क्यौकप्यू (म्यांमार) और जिबूती में बंदरगाह विकसित किए। इसे जब उनकी बेल्ट एंड रोड पहल से जोड़कर देखें तो इस क्षेत्र पर बनता उनका वर्चस्व और चीनी व्यापार एवं सैन्य ताकत प्रदर्शित करती क्षमता साफ दिखती है। साल 1978 से 2005 तक उनकी इकोनॉमी 9 फीसदी दर से बढ़ी, जिसने उन्हें एक गरीब देश से विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बदल दिया।

इसी वक्त, उसने एक दीर्घकालिक भू-राजनीतिक रणनीति भी चलानी शुरू की। इन बंदरगाहों और अन्य बुनियादी ढांचे को बनाने में दशकों लग गए। आज, उपमहाद्वीप के राजनीतिक मानचित्र को देखते हुए, खुद को जिस तेजी से अलग-थलग माहौल में पा रहे हैं, उससे हम आंखें मूंद नहीं सकते। पाकिस्तान से लगती उत्तर-पश्चिमी सीमा शत्रुतापूर्ण है; उत्तर-पूर्वी परिदृश्य में चीन का दबदबा है, शत्रुतापूर्ण बांग्लादेश, तटस्थ नेपाल, नटखट म्यांमार और कमजोर भूटान है। दक्षिण में, श्रीलंका खुद को चीनी प्रभाव में धंसता पा रहा है। सालों चले तमिल-सिंहली संघर्ष के बाद दिशा भटकी भारतीय शांति स्थापना मुहिम ने बहुत हद तक आपसी भरोसा तोड़ा। इस रिश्ते को सुधारने को अगले दशकों में खास नहीं किया। पुराना सहयोगी मालदीव हमें मुश्किल सहन करता है। दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ कोई सार्थक व्यापार समझौता नहीं, तो हम खड़े कहां हैं? दुनिया हिंसा के भंवर में फंसी है और कई अन्य ज्वलंत बिंदु हैं, जो हमें हिंसा की ओर धकेल सकते हैं। तीन साल पहले, जब यूक्रेन-रूस युद्ध छिड़ा था, तो हमारे प्रधानमंत्री ने हिंसा खत्म करने का आह्वान किया था = 'यह युग युद्ध का नहीं है' जिसकी प्रतिध्वनि दुनियाभर में गूंजी। हालांकि,तब से दुनिया विनाशकारी परिणाम के भंवर की ओर खिंचती प्रतीत हो रही है। मध्य-पूर्व और यूक्रेन में तबाही पर बात करने से पहले देखें कि मौजूदा परिदृश्य में हम किस स्थिति में हैं।

सच है कि हमने लगभग कभी युद्ध नहीं चाहा, लेकिन जब कभी इसने हमारे दरवाजे पर दस्तक दी तो हम हमेशा आगे बढ़े और अपना बचाव किया। हालांकि, अहम यह कि युद्ध को अपनी सीमाओं से दूर रखा जाए, इससे पहले कि यह हमें नुकसान पहुंचाए। इसके लिए, अपने पास मजबूत रक्षा बल के

साथ-साथ कुशल कूटनीति होनी जरूरी है। सबसे पहले अपने पड़ोस और अपने आसपास के दोस्तों के साथ खास सक्रिय रहना चाहिए। लेकिन, लगता है आसपास के क्षेत्र में हमारा कोई दोस्त नहीं रहा। यह रातोंरात बनी स्थिति नहीं, बल्कि हमारे द्वारा किसी भी सार्थक प्रयास की अनुपस्थिति में, चीन द्वारा की गई श्रमसाध्य नीतिगत पहलों का परिणाम है। जबकि हमने आत्म-त्याग में जीना चुना। चीन ने चतुराई से अपना खेल खेला और इन देशों को उनकी जरूरत अनुसार समय-समय पर वित्तीय मदद, बुनियादी ढांचा निर्माण और अन्य भौतिक मदद प्रदान करके दिल जीत लिया। अब उसके पास हमारी सीमाओं और सीमावर्ती राज्यों में परेशानी खड़े करने की क्षमता है, चाहे वह पूर्वोत्तर हो या उत्तर-पश्चिम। रणनीतिक लक्ष्यों के साथ सक्रिय राजनयिक मिशन रखने से इस परिदृश्य से बचा जा सकता था। कश्मीर में, जहां पाकिस्तानी एजेंसियों ने खून-खराबे करवाने की फिराक में हमारी ज़मीन को दागदार किया, हमने मजबूती दिखाई, और हमारे राजनीतिक नेतृत्व एवं सशस्त्र बल प्रतिक्रिया देने में दृढ़ और निर्णायक रहे। सक्रिय प्रतिकर्म का नतीजा रहा कि चार दिन बाद, दुश्मन शांति की दुहाई डालता दिखा, और हमने उदारता से उनकी याचना स्वीकार कर ली, हालांकि एक वर्ग अधिक कठोर कार्रवाई करने के पक्ष में था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने युद्धविराम का श्रेय लिया, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री ने उन्हें स्पष्ट कहा कि भारत को कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता मंजूर नहीं। अमेरिका, उसके राष्ट्रपति और सैन्य नेतृत्व ने आतंकवाद को काबू करने में तथाकथित मदद के लिए पाकिस्तान की प्रशंसा की है। और गत बुधवार ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पाक सेना प्रमुख की मेज़बानी की। हाल ही में सीमा पारीय झड़पों में, चीनी निश्चित रूप से पाकिस्तानियों के साथ थे, रूसियों ने भी हमारे प्रति विगत के समर्थन जैसा उत्साह नहीं दिखाया और अमेरिकी लहज़ा अपमानजनक रहा। इसकी तुलना 1971 में भारत और सोवियत संघ के बीच हस्ताक्षरित शांति, मैत्री व सहयोग की संधि से करें। तब अमेरिका ने बंगाल की खाड़ी में अपना 7वां बेड़ा तैनात कर दिया था और ब्रिटेन ने हमारे खिलाफ विमान वाहक बेड़ा रवाना किया। हालांकि, सोवियत ने परमाणु पनडुब्बियों और विध्वंसक ग्रुप्स की तैनाती करके अड़ंगा लगा दिया। अमेरिका और ब्रिटेन पीछे हट गए, और शेष इतिहास है। कारण कुछ भी रहे, लेकिन तथ्य यह कि जब हमें सहयोगी की आवश्यकता थी, तो हमारे पास एक था। लंबे समय तक, भारतीय सॉफ्ट पॉवर ने देश को अपने कद से कहीं अधिक प्रदर्शन करने में मदद की। भारत एशियाई-अफ्रीकी सहयोग को लेकर हुए बांडुंग सम्मेलन (1955) के प्रमुख आयोजकों में एक था; भारत और अन्य गुट निरपेक्ष देशों ने अफ्रीका के साथ घनिष्ठ संबंधों को बढ़ावा देने की पहल की, नेहरू ने तो इसे 'बहन' महाद्वीप का नाम दिया। बाद की सरकारों ने घनिष्ठ संबंध विकसित करने के प्रयास जारी रखे- क्या हाल ही में कुछ ऐसा हुआ कि कोई भी हमारे हित में साथ आया? नेपाल और विशेष रूप से नेपाली सेना का हमारे साथ गर्भनाल का संबंध रहा है, उनके कई जनरलों ने एनडीए में प्रशिक्षण लिया है। भारतीय गोरखा रेजिमेंट में नियमित नेपाली नागरिकों की भर्ती होती थी - यह क्यों बंद हो गई? बांग्लादेश की स्वतंत्रता के मुख्य समर्थक और वास्तुकार होने के बावजूद, आज हम खुद को विपरीत पाले में खड़े क्यों पा रहे हैं? कुछ पश्चिमी देशों ने निष्पक्ष खेलने की कोशिश की; हालांकि, बेचैन करने वाली बात रही हमारे पड़ोसियों की चुप्पी। मध्य-पूर्व एशिया में चल रहे संघर्ष से पूरा इलाका इसकी चपेट में आने का खतरा बन चला है, जिसमें युद्धरत पक्ष एक-दूसरे को मिटाने को आमादा हैं। ड्रोन और मिसाइलों के रूप में प्रौद्योगिकी इसे प्रलयंकारी रूप दे रही है। रात को मिसाइलों से निकलती आग की लपटों से आसमान जगमगा उठता है और नेपथ्य में हवाई हमले के सायरन की भयावह आवाज़ें भी सुनाई देती हैं। उधर यूरोप में, रूस और उसके सहयोगियों का नाटो के समर्थन पाए यूक्रेन के साथ युद्ध धधक रहा है। क्या इन क्षेत्रीय युद्धों के गहरे आयाम हैं - बेशक। अमेरिकी के आर्थिक और सैन्य, दोनों तरह के आधिपत्य को,रूस और चीन से संयुक्त चुनौती मिल रही है। नाटो की पुरानी व्यवस्था, जो 20वीं सदी में काफी मजबूत थी, अमेरिका द्वारा उत्तरोतर राष्ट्रवादी रुख अपनाने के कारण कमजोर पड़ गई। हमें अपनी विदेश नीति निर्माण और क्रियान्वयन में ओर सक्रियता की जरूरत है। साझा कूटनीतिक और आर्थिक लक्ष्यों के जरिये पड़ोसियों को जीतना चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में, चुप्पी साधना या तटस्थ दिखना हमेशा अच्छे विकल्प नहीं होते। कभी-कभी, अपनी आस्तीन में इक्का छिपाकर रखते हुए हाथ खाली दिखाना बुद्धिमानी होती है। जब भी यूक्रेन युद्ध के संबंध में संयुक्त राष्ट्र में युद्ध विराम का मामला उठता है, हमने अनुपस्थित होना चुना। इसी तरह, गाज़ा के संबंध में भी हमने अनुपस्थिति दर्ज करवाई। नतीजा, न तो पश्चिम हमसे खुश है और न ही रूस। अब समय आ गया है कि हम खुद में सुधार करें और मजबूत दोस्ती के साथ-साथ मजबूत प्रतिरोधक भय विकसित करें।

(साभारः लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।)

सामाजिक सांस्कृतिक संस्था के आयोजन में कवियों ने काव्य पाठ से श्रोता को किया भाव विभोर

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा आव्हान सेवा समिति नर्मदापुरम द्वारा काशी विश्वनाथ धाम वाराणसी स्थित कैलाश मठ के भव्य आध्यात्मिक परिसर में महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी आशुतोषानंद गिरी जी के स्नेहिल सानिध्य में संपन्न अखिल भारतीय काव्य महोत्सव एवं सम्मान समारोह 22 जून को महामंडलेश्वर स्वामी आशुतोषानंद गिरी जी के संरक्षण एवं मुख्य आतिथ्य में अन्य अतिथियों प्रो. ओमपाल सिंह निडर जी, छंदाचार्य कवि गीतकार भूषण त्यागी, अंतरराष्ट्रीय हास्य कवि डॉ अनिल चौबे रिमामय उपस्थिति में माता सरस्वती जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया गया। संस्था के संस्थापक एवं आयोजन प्रमुख कैप्टन किशोर करैया एवं हंस राय के शुभ हस्ते सभी मंचासीन अतिथियों का शाल श्रीफल एवं पुष्पहार द्वारा अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात प्रस्तावित भाषण कैप्टन किशोर करैया ने संस्था की उपलब्धियों तथा उद्देश्य से

परिचित कराया। उनके पश्चात डॉ अनिल चौबे ने कविता की प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किये। जेष्ठ कवि भूषण त्यागी ने अपनी राम धून कविता के कविता की मौलिकता पर जोर दिया। इसी बीच मुख्य अतिथि स्वामी आशुतोषानंद गिरी जी ने कवि सम्मेलन और कविता पर विशेष विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि भावों को रसो में पिरोकर की बात ही कविता है। आजकल सभी क्षेत्रों में प्रचार प्रसार करती मल्टीमीडिया के बीच यदि आप कोई न?ई बात नहीं करते हैं तो आपके सारे प्रयास व्यर्थ है। इस महोत्सव के आयोजन का दायित्व निभाते हुए साहित्य सेवा कर कैप्टन करैया जी ऐसे साहित्यिक समारोह हेतु सदैव सहयोग और आशीष प्रदान करने का आश्वासन दिया। महोत्सव के प्रथम दौर का मंच संचालन दिनेश देहाती ने किया.

कवि सम्मेलन देर शाम तक जारी रहा। देश के विभिन्न अंचलों से आए 50 से अधिक कवियों ने अपनी कविता, गीत, गजल ,ओज,हास्य,व्यंग्य की रचनाओं से भाव विभोर कर दिया।आंमत्रित कवियों ने देर शाम तक श्रोताओं को खूब गुदगुदाय एवं लोट पोट करते हुए शमा बंधा।काव्य पाठ उपरांत सभी कवियों का अतिथियों की उपस्थिति मे समिति व्दारा साहित्य गौरव सम्मान,स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पं.हरिराम व्दिवेदी स्मृति भोजपुरी साहित्य -शोध न्याय वाराणसी ने नर्मदा आव्हान सेवा समिति के संस्थापक केप्टिन करैया का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र का संचालन सुनील केहरी एंव विनोद सनोडिया ने संचालन तथा आभार प्रर्दशन हंस राय ने दिया।

कमिश्नर के वन विभाग की टास्क फोर्स समिति की बैठक में निर्देश

वन भूमि पर होने वाले संगठित अपराध को वन एवं पुलिस विभाग संयुक्त कार्रवाई से करें विफल

वन भूमि पर अवैध उत्खनन और परिवहन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने वन विभाग की संभाग स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक में निर्देश दिए की वन भूमि पर होने वाले संगठित अपराध को संयुक्त कार्रवाई से विफल किया जाए। इसके लिए उन्होंने पुलिस विभाग एवं वन विभाग की संयुक्त टीम को लगातार वन क्षेत्र में गश्त कर संगठित अपराधों के बारे में पता लगाकर उसे संयुक्त रूप से विफल करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि वन भूमि पर अवैध उत्खनन और परिवहन के प्रकरण पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियम अनुसार सख्त कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने वन भूमि पर संगठित अवैध कटाई, अतिक्रमण, उत्खनन परिवहन के प्रभाव को भी संयुक्त रूप से विफल करने के निर्देश दिए और कहां की आदतन वन एवं वन्य प्राणियों के अपराधियों की संयुक्त सूची तैयार कर पुलिस एवं वन विभाग आपस में जानकारियां साझा करें और संयुक्त रूप से ऐसे संगठित वन एवं वन प्राणियों के अपराधियों पर कार्रवाई करना भी सुनिश्चित करें।

जाति प्रमाण पत्र के अभाव में पुलिस थानों में दर्ज विवेचना के प्रकरण लंबित न रहे : संभागायुक्त

कमिश्नर ने संभाग स्तरीय सतर्कता सलाहकार एवं निगरानी समिति की बैठक में दिए निर्देश

जाति प्रमाण पत्र के अभाव में पुलिस थानो में दर्ज विवेचना के प्रकरण लंबित न रहे। पुलिस एवं राजस्व अधिकारी आपसी समन्वय से जाति प्रमाण पत्र शीघ्र जारी किए जाने की कार्रवाई करें। उपखंड स्तरीय समितियो की बैठकें नियमित अंतराल से आयोजित की जाए ताकि जाति प्रमाण पत्र जारी किए जाने के संबंध में भी समन्वय हो सके यदि किसी दूसरे जिले से पीड़ित का जाति प्रमाण पत्र बुलाना है तो वह भी समय सीमा में रहते बुला लिया जाए। सभी कलेक्टर जाति प्रमाण पत्र जारी करने वाले अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित करें कि वह ऐसे प्रकरणों में शीघ्र नियम अनुसार कार्रवाई पूर्ण कर जाति प्रमाण पत्र जारी करें। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने जनजाति कार्य विभाग की संभाग स्तरीय सतर्कता सलाहकार एवं निगरानी समिति की बैठक में दिए। उल्लेखनीय है कि नर्मदापुरम संभाग में 30 दिन से कम अवधि के विवेचना में लंबित 44 तथा 60 दिन से अधिक की अवधि में विवेचना के 37 जाति प्रमाण पत्र के प्रकरण लंबित है। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला, डीआईजी प्रशांत खरे, नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी, हरदा कलेक्टर सिद्धार्थ जैन, संभागीय उपायुक्त श्री जेपी यादव, लोक अभियोजन अधिकारी गण तथा संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

टास्क फोर्स समिति के बैठक में पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला, मुख्य वन संरक्षक अशोक कुमार, डीआईजी प्रशांत खरे, कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना, कलेक्टर बैतूल नरेंद्र सूर्यवंशी, कलेक्टर हरदा सिद्धार्थ जैन एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

कमिश्नर श्री तिवारी ने विद्युत लाइनो मैं होने वाले ट्रिपिंग को सख्ती से रोकने के निर्देश दिए और कहां की विद्युत विभाग एवं वन विभाग वन क्षेत्रो में विद्युत लाइनों का रखरखाव समुचित ढंग से करें साथ ही विद्युत विभाग एवं वन विभाग की टीम संयुक्त रूप से गश्त कर विद्युत लाइनें में हो रही ट्रिपिंग को रोके। उल्लेखनीय है कि विद्युत लाइन में ट्रिपिंग कर वन अपराधी वन्य प्राणियों का शिकार करते हैं। कमिश्नर ने वन भूमि पर होने वाले अतिक्रमण को भी सख्ती से रोकने के निर्देश दिए। बताया गया कि वर्तमान में सोहागपुर में वन भूमि से अतिक्रमण हटाया गया है। कमिश्नर ने वन व्यवस्थापन अधिकारियों के पास भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 4 में अधिसूचित वन खंडों में धारा 5 से 19 तक की कार्रवाई समय सीमा में संपादित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि नर्मदापुरम में वन व्यवस्थापन के प्रकरण नहीं मिले लेकिन 11 प्रकरण सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के वन व्यवस्थापन से संबंधित थे। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी राजस्व अधिकारी वन विभाग को पत्र लिखकर वन व्यवस्थापन से संबंधित प्रकरण ढूंढने में सहयोग मांगे। दोनों ओर से संयुक्त प्रयास करने पर वन व्यवस्थापन के प्रकरण प्राप्त किया जा सकेंगे। बताया गया कि बैतूल में 58 एवं हरदा में 18 प्रकरण वन व्यवस्थापन से संबंधित मिले हैं।

बारिश में भी अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृ शक्ति ने नर्मदा घाट पर चलाया स्वच्छता अभियान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति द्वारा रविवार को चित्रगुप्त घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में भारी बारिश के बावजूद मातृ शक्तियों ने घाट किनारे से कचरा और गंदगी निकाली और उसे डस्टबिन में डाला। नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा ने कहा कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और इसमें पौधा लगाने का काम भी शामिल होगा। जिला अध्यक्ष ज्योति वर्मा ने कहा कि नर्मदा नदी सबकी जीवनदायनी है और हमें इसे स्वच्छ और सुंदर बनाने का कर्तव्य निभाना चाहिए। उन्होंने सभी वर्गों से इस अभियान में जुड़ने का निवेदन किया।

इस मौके पर प्रखर समाजसेवी मंजू श्रीवास्तव, प्रीती खरे, लालता प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, रश्मि सक्सैना, आरती सहित अन्य लोग मौजूद थे। इस मौके पर समाज के सीबी खरे ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण कदम है। सभी को साथ आना चाहिए और मां नर्मदा की साफ-सफाई में योगदान देना चाहिए। हमारे घाटों की सुंदरता ही हमारी पहचान है। अब समाज द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम किया जाएगा। वहीं स्वच्छता अभियान में समाज की पदाधिकारी ज्योति वर्मा ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बारिश में रविवार को पौधे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही समाज की मातृशक्ति द्वारा भी अलग-अलग स्थान पर पौधे लगाए जाएंगे । बारिश के बाद भी घाट की सफाई की गई और कचरा निकाला गया मां नर्मदा को हमने साफ रखना है। स्वच्छता अभियान में मौजूद नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा ने कहा कि मां नर्मदा स्वच्छ रहे घाट स्वच्छ रहे यही हमारा प्रयास है। हम सभी को गंदगी दूर करना चाहिए और स्वच्छता बनाए रखना चाहिए । घाटों से ही हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि अब बारिश का मौसम शुरू हो गया है पौधरोपण के कार्यक्रम भी चलेंगे और एक पौधा मां के नाम अभियान के चलते पौधे लगेंगे।

काव्य गोष्ठी में देशभक्ति पूर्ण प्रस्तुतियां दीं

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

सिन्ध के अंतिम हिन्दू सम्राट महाराजा डाहिर की स्मृति में सिन्धी साहित्य अकादमी भोपाल द्वारा पूज्य सिन्धी पंचायत एवं भारतीय सिन्धू सभा गंजबासौदा के सहयोग से बीती शाम यादि डाहिर जी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष शशि यादव तथा जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

अकादमी निदेशक राजेश वाधवानी ने सम्राट डाहिर के जीवन और उनकी बलिदान गाथा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में रायपुर के राजकुमार मसंद,भोपाल के कन्हैयालाल शेवानी, ओमप्रकाश टहिल्यानी, नर्मदापुरम के महेश मूलचंदानी और इटारसी के।मनोज बुधवानी ने देशभक्ति पूर्ण रचनाओं की प्रस्तुति से श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा तो वहीं भोपाल से आए दिलीप वासवानी तथा नरेश वलेचा ने भी वीर रस से भरपूर गीतों की प्रस्तुति दी।

नर्मदापुरम जिले की दैनिक वर्षा की जानकारी

नर्मदापुरम। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया है कि जिले में 22 जून 2025 को प्रात:8 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 13.9 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 07.0 मिलीमीटर, इटारसी में 15.4 मिलीमीटर, माखननगर में 2.0 मिलीमीटर, सोहागपुर में 5.0 मिलीमीटर, पिपरिया में 7.4 मिलीमीटर, बनखेड़ी में 13.8 मिलीमीटर, पचमढ़ी में 7.8 एवं तहसील डोलरिया में 0.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 1370.5 मिलीमीटर है।

माखननगर रोड स्थित कालिका नगर क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की मांग

नर्मदापुरम. माखननगर रोड स्थित कालिका नगर से शिवनंदनी पेट्रोल पंप के बीच में स्ट्रीट लाइट न होने से रात में दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है. क्षेत्र के नागरिकों ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करते हुए स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है लेकिन अभी तक स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं हो पाई.

कालिका नगर निवासी आरके शर्मा ने बताया माखन नगर रोड पर वाहनों का आवागमन निरंतर जारी रहता है रात में यहां पर अंधकार होने से वाहन चालकों को सड़क पर बैठे मवेशी नहीं दिखाई देते हैं जिससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है. नर्मदापुरम से माखननगर पचमढ़ी की ओर जाने वाला मार्ग स्टेट हाईवे कहलाता है लेकिन सड़क पर स्टेट हाईवे जैसी कोई भी सुविधा संबंधित विभाग द्वारा नहीं की गई.

कलेक्टर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को किया सम्मानित

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. ने नेपाल में आयोजित इंटरनेशनल कराटे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मेडल जीतने वाले और देश का नाम रोशन करने वाले कराटे खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि यदि दृढ़ संकल्प के साथ निरंतर मेहनत की जाए तो सफलता निश्चित ही मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर आसीमित क्षमताएं होती है, बस अपनी उन क्षमताओं को पहचानना जरूरी है।

तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत बैलवाड़ा के आश्रित ग्राम मानपुरा का मामला

गांव के अंदर दलदल फिसलकर गिर रहे लोग, सफाई का अभाव संक्रामक बीमारी फैलने का अंदेशा

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

सरकार द्वारा गांवों का विकास कराने के लिए विभिन्न विकास कार्यों पर पंचायत के माध्यम से हर साल करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी ग्रामीण आज भी बदहाल जीवन जीने मजबूर है।

इसकी मुख्य वजह विकास कार्य धरातल पर नहीं बल्कि कागजों में किए जा रहे हैं। तेंदूखेड़ा ब्लॉक की अधिकतर ग्राम पंचायतों में भी यहीं हाल है। यहां के लोगों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलने से हर दिन कई मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। उदाहरण के तौर पर ग्राम पंचायत बैलवाड़ा को ही देख ले। यहां पर सरपंच, सचिव द्वारा लाखों रुपए के निर्माण कार्य तो कराए गए हैं, लेकिन अधिकतर घटिया कार्य के चलते धांधली की भेंट चढ़ चुके हैं। कुछ निर्माण कार्य कागजों में चल रहे तो कुछ पुराने निर्माणों पर लोगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है। गौर करने वाली बात ये है कि शिकवा- शिकायतों के बाद भी प्रशासन में बैठे अधिकारी जांच पड़ताल नहीं कर रहे हैं। जिस वजह से संबंधितों की मिलीभगत उजागर हो रही है।

मानपुरा गांव दलदल जैसे हालात चारों ओर नजर आ रहा कीचड़ व गंदगी

बैलवाड़ा ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम मानपुरा में लोगों को शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। यहां के लोग, गंदगी और कीचड़ में रहने मजबूर हैं।

हालात ये है कि अब गांव में कभी भी संक्रमण बीमारी फैल सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मानपुरा गांव में विकास के नाम पर लाखों रुपए खर्च कर दिए गए है, लेकिन आज भी ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हो रहे हैं।

यहां की सड़कें गंदगी, कीचड़ से अटी हुई है पूरे गांव के अंदर दलदल जैसे हालात बने हुए हैं जहां पर सड़क पर मिट्टी होने के चलते लोग फिसलकर गिर रहे हैं और घायल हो रहे हैं लेकिन लोगों की समस्याओं का ग्राम पंचायत द्वारा समाधान नहीं किया जा रहा है वहीं नालियां नहीं होने से पानी सड़कों में भर रहा है। गांव के अंदर का रास्ता कीचड़ में तब्दील है।

इसी गंदगी के बीच ग्रामीण निकलने के लिए मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यहां सीसी सड़क, नाली निर्माण जैसे विकास कार्य नहीं कराए गए हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ भी गिने चुने लोगों को मिला है। यहां शासकीय कार्यों में गड़बड़ी की गई है। फिर चाहे सड़क निर्माण, खकरी, परकुलेशन, तलैया, शौचालय निर्माण या फिर अन्य निर्माण कार्य हो।

खुले में निस्तार जाने मजबूर

कहने को तो गांव ओडीएफ घोषित हो गया है, लेकिन हकीकत कुछ और है। सरकार की योजना के तहत यहां घरेलू शौचालय तो बनाए गए है, लेकिन पंचायत ने उनमें भी गड़बड़ी कर दी। हालात ये हैं कि शौचालय अब सिर्फ कबाड़ रखने के काम आ रहे हैं। इस कारण ग्रामीण आज भी खुले में निस्तार के लिए जा रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को उठानी पड़ रही है।

कीचड़ में गिरकर घायल हो रहे लोग

ग्राम मानपुरा में एक भी मार्ग साबित नहीं है। सभी रास्तों में कीचड़ और बरसात का पानी भरा हुआ है दल-दल मचा हुआ है कच्ची सड़क होने से बच्चे गिरकर घायल हो रहे हैं तो वहीं बाइक सवार, साइकिल सवार भी फिसल कर गिरने से घायल हो रहे हैं। वहीं गंदगी के कारण पानी भी दूषित हो रहा है। जिससे लोग बीमार हो रहे हैं। साथ ही बीमारियां पनप रही है। शिकवा-शिकायतों के बाद भी पंचायत से लेकर जनपद और जिला प्रशासन में पदस्थ अधिकारी उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं

रिमझिम बारिश के बीच मार्गों पर लगा गाय-बैलों का जमावड़ा

मवेशियों के कारण वाहन चालक हो रहे हादसों के शिकार, प्रशासन मौन

मार्गों को मवेशी मुक्त बनाने मवेशियोंं को गौशालाओं में भेजा जाए

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर की लगभग हर सड़क पर मवेशियों का जमावड़ा नजर आ रहा है। सबसे ज्यादा स्टेट हाईवे 15 जबलपुर, दमोह रोड पर मवेशी देखे जा रहे हैं। साथ ही दमोह-तारादेही मार्ग पर इन मवेशियों का झुंड बैठा हुआ नजर आ रहा हैं। वहीं रात के समय या अचानक वाहनों के सामने मवेशी आ जाने से हादसे होते रहते हैं तो वहीं वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार शिकायत के बाद भी शासन-प्रशासन में बैठे जिम्मेदारों कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है स्टेट हाइवे पर जगह-जगह दर्जनों मवेशी कब्जा जमाए बैठे व खड़े रहते हैं। जिसके कारण वाहन चालकों को वाहन निकालने में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है साथ ही अब बारिश का दौर भी शुरू हो चुका है जिस वजह

से रात के वक्त मवेशी नजर नहीं आने से दुर्घटनाएं हो रही हैं नगर से गुजरे अधिकतर सभी मार्गों पर शाम ढलते ही मवेशियों का जमावड़ा शुरू हो जाता है और ये मवेशी सुबह तक मार्ग पर ही जमे रहते हैं इसके अलावा दिन के समय भी सड़कों पर घूमते नजर आते हैं। हादसा में मवेशियों की असमय मौत हो रही है तो वाहन चालक भी अपनी जान गवां रहे हैं। कई बड़े हादसे भी हो चुके हैं

क्षेत्र की गौशालाएं बनीं शोपीस

मार्गों पर बैठने व विचरण करने वाले आवारा मवेशियों की देखरेख एवं सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा तेंदूखेड़ा ब्लॉक की कुछ ग्राम पंचायतों में सरकारी गौशालाएं बनवाई गई हैं लेकिन इन गौशालाओं में निर्माण में संबंधितों द्वारा गड़बड़ी कर दी गई और सरकारी राशि का आहरण कर बंदरबांट कर लिया गया। जिससे कहीं अधूरी तो कहीं बनने के बाद भी शोपीस बनकर रह गई हैं तो कुछ गौशालाओं में ना मात्र के लिए गायों की देखरेख की जा रही है कुछ गौशालाएं खाली पड़ी है और कागजों में मवेशियों का संरक्षण होता दिखाई दे रहा है नतीजा गौवंश को गौशालाओं में भेजने की योजना सिर्फ कागजों तक सिमट कर रह गई है

हर दिन गुजरते हैं हजारों वाहन सागर जबलपुर और दमोह इन तीनों हाईवे पर प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं नगर की सड़कों से लोगों की आवाजाही होती है। इन वाहनों के लिए मवेशी मुसीबत बन गए है। नागरिकों द्वारा मुख्य बाजारों एवं चौराहों पर विचरण करने वाले पशुओं को हटाए जाने की शिकायतें स्थानीय प्रशासन से लगातार करते आ रहे हैं पर प्रशासन द्वारा मवेशियों को कांजी हाउस या फिर गौशाला भिजवाने या अन्य किसी स्थान पर व्यवस्थित करने के प्रति सजगता नहीं दिखाई है। ये मवेशी जाम की वजह भी बन रहे हैं। जो चिंता का विषय हैं वहीं तेन्दूखेड़ा नगर में कांजी हाउस बीते 15 साल पहले ही बंद कर दी गई और उस जगह पर दुकानों निर्माण कार्य शुरू कराया गया था लेकिन आज दुकानों का निर्माण कार्य भी आज भी अधूरा पड़ा हुआ है

जुर्माना लगाने की कवायद भी फेल

बता दें कि सरकार द्वारा एक आदेश जारी किया गया था जिसके तहत सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और खुले स्थानों पर मवेशियों व अन्य पशुओं को छोड़ने पर पशु पालक पर 1 हजार रुपए तक का जुर्माना लगाने कहा गया था। यह जुर्माना लगाने का अधिकार स्थानीय निकाय को दिया गया है। निकाय कर्मियों को पशु मालिक की पहचान करनी होगी। बताया जा रहा है कि यह पहचान पशुओं के कान पर लगे टैग से होगी। हालांकि जिले के अधिकांश जगहों पर पशुओं पर यह टैग नहीं लगे होने के कारण ऐसे मवेशियों की पहचान करना मुश्किल हो रहा है गौर करने वाली बात ये हैं कि प्रशासन द्वारा आज तक इस ओर कोई कार्रवाई नहीं की गई है

इन मार्गों पर रहता है मवेशियों का झुंड

नगर मुख्यालय से लगे ग्रामीण क्षेत्रों जो हाईव पर स्थित है, वहां पर दिन-रात मवेशियों का झुंड नजर आता है। जबलपुर-पाटन मार्ग पर 27 मील पर सालभर मवेशी बैठे रहते हैं। दमोह मार्ग पर पांजी ग्राम और सांगा ग्राम मार्ग पर दमोह-तेजगढ़-अभाना मार्ग, रहली-सागर-झलौन स्टेट हाईवे 15 पर, तेंदूखेड़ा नगर का तारादेही-चौराहा, चौराई के पास, देवरी, महाराजपुर, तारादेही, गौरझामर, झमरा सहित नरसिंहपुर और भोपाल जाने वाले मार्गों पर मवेशियों का झुंड नजर आ रहा है साथ ही तेन्दूखेड़ा नगर के सभी वार्डों में यह मवेशियों के छोटे छोटे झुंड नजर आते हैं मंगलवार को लगने वाले बाजार में यह मवेशी लोगों को घायल भी कर देते हैं लेकिन नगर परिषद द्वारा इस और कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

वार्ड 21 में पाइपलाइन बिछाने खोदी जा रही लाखों की लागत से बनी सड़क

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद के द्वारा कुछ दिनों पहले ही लाखों रुपए की लागत से सीसी मार्ग बनने का किया था उसको अब पाइपलाइन डालने के लिए अपने हिसाब से खुदाई करके इनको बर्बाद किया जा रहा है ।इस वजह से रह वासियों को बारिश के दिनों में परेशानियां का सामना करना पड़ेगा। जिन क्षेत्रों में पानी की लाइन नहीं है वहां पर पाइपलाइन डलवाने का कार्य हो रहा है।

इस दौरान लापरवाही से काम भी देखने को मिला वार्ड नंबर 21 में बीच सड़क से सीसी मार्ग की खुदाई करके छोड़ दिया है। संबंधित ठेकेदार अधिकारी इस काम को साइड से भी करवा सकते थे पर नगर पालिका परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों इस और कोई ध्यान नहीं दे रहे रहा है । इस कार्य को करने वाले ठेकेदार के द्वारा अपने हिसाब से कहीं से भी खुदाई करके सीसी को नष्ट करने का काम किया जरूर किया जा रहा है। सबसे बड़ी बात तो है कि कुछ दिन पहले ही सड़क बनी थी उस दौरान हीं इस काम को करवा दिया होता तो आज ऐसी तस्वीर देखने को नहीं मिलती खुद ही पड़ी सड़क

पानी के साथ कुछ दिनों के बाद यह पूरी तरह से गढ़ों में तब्दील हो जाएगी जनता के टैक्स पैसा भी बर्बाद होगा हो गया और इन्हें मुश्किलें से एक बार फिर जूझना पड़ेगा सीसी सड़क बनाने का कार्य जिन क्षेत्रों में हुआ है वहां पर पाइपलाइन डालकर उसको भी इस तरह से मिटाने का काम किया जा रहा है ।नगर पालिका परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों को इस और ध्यान देकर लापरवाही से काम करने वाले ठेकेदार से फिर से इस सड़क को बनवाना चाहिए जिससे कि दोबारा से यह इस तरह की गलती नहीं करेंगे अभी ध्यान नहीं दिया दिया गया तो यह अपने हिसाब से सीसी सड़कों खोदकर तहस नहस कर चलते बनेंगे।

महिला एवं बाल विकास विभाग की परीक्षा का रिजल्ट घोषित

श्वेता ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर जिले को गौरवान्वित किया

श्वेता सोनी मुखर्जी नगर सेक्टर में 2017 से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता है

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर की हुई परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया गया है। जिसमें विदिशा शहर की किले अंदर बक्सरिया निवासी श्वेता सोनी ने ओबीसी कैटेगरी में पेपर ए में प्रदेश में प्रथम रैंक हासिल कर जिले को प्रदेश में गौरवान्वित किया है।

गौरतलब हो कि पत्रकार अनिल सोनी की धर्मपत्नि श्रीमती श्वेता सोनी मुखर्जी नगर सेक्टर में 2017 से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता है। श्वेता ने बताया कि किसी भी परीक्षा को पास करने के लिए पूरी ईमानदारी के साथ कडी मेहनत जरूरी है उन्होंने बताया कि विगत सात माह से इस परीक्षा के लिए तैयारी कर रही थी। उन्होंने बताया कि 8 मार्च को उन्होंने परीक्षा दी थी जिसका परीक्षा परिणाम आने पर मुझे ज्ञात हुआ कि मैंने प्रदेश में अव्वल स्थान हासिल किया है। श्वेता सोनी की उपलब्धियों पर जिले के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिको, सामाजिक बंधुओं ने बधाईयां प्रेषित की है।

शिविरों में आवेदकों के सुगमता से हो रहे कार्य , धरती आबा अभियान के तहत छह स्थलों पर शिविरों का आयोजन

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा मां अपनी बेटी को लेकर पहुंची शिविर में मौके पर पूरे हुए काम यह परिदृश्य विदिशा जिले में धरती आबा अभियान के तहत आयोजित शिविरों में अब सामान्य हो गया है। शिविरों से मिल रहे लाभ आवेदकों के प्रसन्नचित चेहरे और कार्य हो जाने के बाद अपने अपने घरों को लौटने पर प्रदर्शित हो रहे हैं।

ऐसा ही नजारा आज बासौदा के ग्राम कंकरावदा में आयोजित शिविर में देखने को मिला है यहां 11 माह की अपनी रागिनी बिटिया को लेकर श्रीमती मालती आदिवासी पहुंची और अधिकारियों से हकपूर्वक कहने लगे कि मेरी बेटी का आधार कार्ड बनवाना है। जागरूकता का यह असर हुआ कि अविलंब आधार कार्ड बनाने की कार्रवाई दल के सदस्यों द्वारा पूरी कर प्रतिलिपि उपलब्ध कराई गई है।

आदिम जाति कल्याण विभाग के शिविर प्रभारी नोडल श्री पंकज दुबे ने बताया कि शिविर स्थल पर विभिन्न विभागो के खण्ड स्तरीय अधिकारी, कर्मचारियों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी और मौके पर लाभांवित होने के पात्रताधारी हितग्राहियों के आवेदन भरवाने की प्रक्रिया पूरी कराई गई है। जनजातीय वर्ग के उत्थान हेतु आयोजित इस शिविर में ग्राम के अन्य वर्गो के नागरिकों को भी लाभांवित किया गया है जिसमें मौके पर जहानवी को आयुष्मान कार्ड तैयार कर प्रदाय किया गया है ।

30 जून तक जारी रहेगा

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत धरती आबा अभियान जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविरो का आयोजन विदिशा जिले में शिविरो का आयोजन शुरू हुआ है जो 30 जून तक जारी रहेगा।

धरती आबा योजना के तहत सोमवार को बासौदा विकासखण्ड के पांच ग्रामो में एक साथ शिविरो का आयोजन किया गया है पूर्वानुसार जारी कार्यक्रम के अनुसार बासौदा विकासखण्ड के ग्राम क्रमशः नयागांव, लहरावदा, बरोद, लमनिया, चुल्हेटा में आयोजित किया गया है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने धरती आबा के तहत आयोजित होने वाले शिविरो के उद्धेश्यो की प्राप्ति के लिए ग्रामवार नोडल अधिकारी नियुक्त किए है जिन ग्रामो में शिविर आयोजित होंगे उनमें राजस्व, जनपद, खाद्य विभाग, स्वास्थ्य, पशु

चिकित्सा, कृषि, लीड बैंक, भू-अभिलेख, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ऊर्जा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग सहित कुल 13 विभागो के अधिकारी हरेक शिविर में मौजूद रहेंगे।

गांव में हो रहा है इलाज

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत धरती आबा अभियान जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविरो का आयोजन विदिशा जिले में शिविरो का आयोजन किया जा रहा है इसके अलावा चिन्हित 86 गांव में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा विशेष पहल की जा रही है। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट में स्वास्थ्य संबंधी तमाम सुविधाएं मय चिकित्सको सहित गांव में पहुंचकर ग्रामवासियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया जा रहा है वहीं जो व्यक्ति बीमार अथवा रोगो से ग्रस्त है उन्हें रोगोपचार दवाईयां निःशुल्क प्रदाय की जा रही है इसके अलावा गर्भवती माताओं और बच्चो के स्वास्थ्य परीक्षण पर विशेष नजर रखी जा रही है।

बासौदा विकासखण्ड के ककरावदा में आज मोबाइल मेडिकल यूनिट में पहुंचकर ग्राम के 46 नागरिकों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया है और उन्हें आवश्यक दवाईयां प्रदाय की गई है इसके अलावा गर्भवती माताओं और बच्चो का टीकाकरण और खून की जांच का परीक्षण कर एनीमिया से ग्रस्त पाए जाने वालो को रक्त बढाने के लिए आवश्यक दवाईयां निःशुल्क प्रदाय की गई है।

कुंभकरण को मिनिटो में मिला आयुष्मान कार्ड

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत बासौदा विकासखण्ड की ककरावदा में रविवार को विशेष शिविर का आयोजन किया गया था उक्त शिविर में अनेक हितग्राहियो को मौके पर लाभांवित किया गया है जिसमें कुंभकरण भी शामिल है।

लाभांवित होने वाले हितग्राही कुंभकरण आत्मज कल्लू आदिवासी ने शिविर में पहुंचकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और आयुष्मान कार्ड बनवाने के कार्य पूर्ण कराने पर मौके पर आयुष्मान कार्ड बनने की पावती रसीद आवेदक को प्रदाय की गई है। इस दौरान हितग्राही कुंभकरण को आयुष्मान कार्ड से मिलने वाले इलाज की सुविधा से भी अवगत कराया गया है। लाभांवित होने वाले कुंभकरण ने बताया कि शासन की अनेक योजना जैसे राशन, बच्चो को स्कूल में कॉपी किताबो के साथ-साथ ड्रेस मिली है। उन्होंने मजदूरी के लिए बने श्रम कार्ड से होने वाले फायदो को भी जाना है।

एसएटीआई में 10 दिवसीय एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण अभियान जारी

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा 14 एमपी बटालियन एनसीसी विदिशा द्वारा एसएटीआई डिग्री कॉलेज विदिशा में 10 दिवसीय एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर लगाया जा रहा है। इस कैंप में विदिशा जिले के लगभग 650 एनसीसी कैडेट्स विभिन्न तरह के प्रशिक्षण जैसे ड्रिल, मैप रीडिंग, हथियार प्रशिक्षण, फायरिंग, योग, नेतृत्व क्षमता आदि प्राप्त कर रहे हैं। वे प्रशिक्षण प्राप्त कर दिल्ली जाने का मार्ग तय कर रहे हैं। इसके साथ ही कैडेट्स को अग्निवीर भर्ती, सैन्य अधिकारी भर्ती नियमों की भी जानकारी दी जा रही है। यह कैंप 20 जून से शुरू होकर 29 जून तक चलेगा।

कैंप की शुरुआत कैंप कमान अधिकारी कर्नल विकास गुप्ता शौर्य चक्र ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कैडेट्स को प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा, वातावरण को सुरक्षित रखने और अनुशासन में रहने की सीख दी।

कैंप कमान अधिकारी कर्नल विकास गुप्ता शौर्य चक्र के नेतृव एवं लेफ्टिनेंट कर्नल सनी वैद्य की देखरेख में संचालित हो रहा है। इस दौरान कैंप में सूबेदार मेजर हृदय रंजन पी आई स्टाफ, सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के एनसीसी अधिकारी उपस्थित रहे।

अनियंत्रित होकर गिरने से बाइक सवार की मौत

तेंदूखेड़ा ! तेजगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मगदूपुरा में एक बाइक सवार की सड़क हादसे में मौत हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार ब्लॉक की ग्राम पंचायत मगदूपुरा के आश्रित ग्राम अचलपुरा निवासी बबलू पिता मुलायम गौड़ उम्र 35 वर्ष जो भी खेत से अपने घर जा रहा था लेकिन गांव के पास उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और बाइक सवार गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया लोगों द्वारा इसकी सूचना घायल के परिजनों को दी गई जिन्हें परिजन घायल अवस्था में बबलू गौड़ को इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे लेकिन रास्ते में युवक की मौत हो गई जहां डॉक्टरों द्वारा चेकअप करने के बाद युवक को मृतक घोषित कर दिया पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है

किराना दुकान से चोरों ने उड़ाए नगदी और सामान, कैमरे में कैद हुई तस्वीर

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

शनिवार- रविवार की रात्रि में रोहित पुरा चौराहे पर स्थित परचून की दुकान से चालीस हजार रुपए नगदी के अलावा राज श्री गुटखा के साथ सिगरेट के पैकेट भी चोरी किए गए हैं। दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों में चोर की तस्वीर भी कैद हो गई है। चोरी करने के लिए पहले दीवाल में पीछे से छेद किया उसके बाद अंदर जाकर घटना को अंजाम दिया है। चोरी की घटना में एक नहीं कई चोर हो सकते हैं क्योंकि -एक एक रुपए सिक्के भी नहीं छोड़े यह 15 हजार रुपए के थे इसके अलावा 25000 के बड़े नोटों के साथ राजश्री गुटके , सिगरेट कई पैकेट भी इस दौरान चोरी करके यहां ले गए हैं। इसकी जानकारी सुबह जब राजकुमार साहू अपनी दुकान में पहुंचे तो सामान बिखरा पड़ा हुआ था दीवाल में छेद देखकर इनके होश उड़ गए इसके बाद कैमरे को देखा तो पता चला कि चोरी हो गई इसकी सूचना इन्होंने थाने पहुंचकर पुलिस

को दी इसके बाद पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे पंचनामा बनाया सीसीटीवी कैमरों की जांच पड़ताल की इसमें चोरी करते हुए चोर नजर आ रहा है। उसकी फुटेज के आधार पर चोरों को पकड़ने का प्रयास पुलिस के द्वारा किया रहा है । इधर पीड़िता राजकुमार साहू शिकायत पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध दुकान में चोरी करने की धाराओं में प्रकरण दर्ज करके मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है । इस तरह की वारदात होने से अन्य व्यापारियों की चिंताएं भी बढ़ गई है। इसलिए पुलिस को जल्दी ही चोरी की घटना को अंजाम देने वालों को पकड़ कर घटना का खुलासा करना चाहिए।

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने राजनीति में प्रवेश करने से इनकार किया

...भारतीय टीम का हेड कोच बनने से नहीं ऐतराज

कोलकाता, एजेंसी

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने राजनीति में प्रवेश से इनकार किया लेकिन कहा कि भारतीय टीम का कोच बनने से उन्हें ऐतराज नहीं है। जुलाई में 53 साल के होने जा रहे गांगुली 2018-19 और 2022-24 के बीच दिल्ली कैपिटल्स के टीम निदेशक रहे। क्या वह भारतीय टीम का कोच बनना चाहेंगे , यह पूछने पर उन्होंने कहा ,''मैने इसके बारे में सोचा नहीं क्योंकि मैं अलग अलग भूमिकाओं में रहा हूं।'' उन्होंने कहा मैने 2013 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना छोड़ा और फिर बीसीसीआई अध्यक्ष बन गया। उनसे जब कहा गया कि वह भारत का कोच बनकर और भी योगदान दे सकते थे, तो गांगुली ने कहा , देखते हैं कि आगे क्या होता है। मैं 50 (53) साल का ही हूं। देखते हैं कि

क्या होता है। मुझे इससे ऐतराज नहीं है। देखते हैं।''यह तो तय है कि वह राजनीति में नहीं उतरने वाले। उन्होंने कहा ,''गौतम अच्छा कर रहा है। शुरूआत धीमी रही जब आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से हारे लेकिन चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद उन्होंने लय पकड़ ली। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला बहुत महत्वपूर्ण होगी।''गंभीर कितने कुशल रणनीतिकार हैं, यह पूछने पर उन्होंने गंभीर के जुनून और बेलागपन की तारीफ की।

उन्होंने कहा, इस भूमिका में मैने उसे बहुत करीब से नहीं देखा है लेकिन मैने उसका जुनून देखा है। मैने उसकी रणनीतियों को करीब से नहीं देखा क्योंकि उसके कोच रहते मैने उसके साथ काम नहीं किया।'' गांगुली ने कहा ,'' वह सीधी बात करता है और चीजों को साफ देखता है। वह अपने विचार खुलकर रखता है । टीम के बारे में, खिलाड़ियों , लोगों और सबके बारे में। बाहर से आप कह सकते हैं कि वह काफी पारदर्शी इंसान है।'' उन्होंने अपने खेलने के दिनों को याद करते हुए कहा कि गंभीर हमेशा सीनियर्स का काफी सम्मान करता था ।

विराट और रोहित के लिये 2027 विश्व कप खेलना आसान नहीं होगा

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिये 2027 तक फिट रहकर भारत की वनडे विश्व कप टीम में जगह बनाना आसान नहीं होगा। गांगुली ने कहा , हम सभी को समझना होगा कि हर किसी की तरह एक दिन खेल उनसे दूर हो जायेगा और वह खेल से दूर हो जायेंगे।अगला वनडे विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में 2027 में होगा तब कोहली 38 और रोहित 40 साल के हो जायेंगे। उस समय तक भारत को नौ द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में 27 वनडे खेलने हैं यानी साल में बमुश्किल 15 मैच। गांगुली ने कहा , साल में सिर्फ 15 मैच। यह आसान नहीं होगा।कोहली और रोहित ने टेस्ट क्रिकेट से विदा लेने के बाद वनडे विश्व कप खेलने की इच्छा जताई थी। अपने खेलने के दिनों में शानदार वनडे बल्लेबाज रहे गांगुली से जब पूछा गया कि वह रोहित और कोहली को क्या सलाह देना चाहेंगे, उन्होंने कहा ,मैं कोई सलाह नहीं दूंगा । मुझे लगता है कि वे अपने खेल को बखूबी समझते हैं । वे ही फैसला लेंगे।गांगुली ने कहा कि कोहली जैसा खिलाड़ी मिलना आसान नहीं होगा हालांकि इन दोनों के दिग्गजों के संन्यास के बाद वह भारतीय क्रिकेट को लेकर चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा , मैं चिंतित नहीं हूं । विराट शानदार खिलाड़ी है । उसका विकल्प तलाशने में समय लगेगा । लेकिन मैं हैरान नहीं हूं।युवराज सिह के बारे में उन्होंने कहा कि वह विशेष खिलाड़ी था जो सफेद गेंद के प्रारूप में चमका लेकिन उसे पारंपरिक प्रारूप में अपना हुनर दिखाने के मौके नहीं मिले। उन्होंने कहा , मैने युवराज को पहली बार नैरोबी में देखा और मैं समझ गया था कि वह खास है । उसने वनडे क्रिकेट में भारत के लिये जो किया, वह अविश्वसनीय है । वह 2007 टी20 विश्व कप का 'प्लेयर आफ द सीरिज ', 2011 वनडे विश्व कप का 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट ' था । उन्होंने कहा , बदकिस्मती से उसे टेस्ट क्रिकेट में इतने मौके नहीं मिले । उसने 30 टेस्ट ही खेले ।

वह राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण के बीच फंस गया लेकिन वह खास खिलाड़ी रहा है ।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीजः भारी ना पड़ जाए कप्तान गिल की ये गलतियां

भारतीय टीम ने 6 कैच टपकाए, 109 रनों का हुआ भारी नुकसान

लीड्स, एजेंसी

इंडिया और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भले ही टीम इंडिया ने इंग्लैंड की पारी को 465 पर रोककर 6 रनों की बढ़त ली हो। लेकिन इस मुकाबले में भारत की कमियां खुलकर सामने आई हैं। खासतौर पर टीम इंडिया की फील्डिंग सवालों के घेरे में है। कप्तानी पर भी सवाल उठ रहे हैं।

तीसरे दिन टी ब्रेक से पहले भारत के फील्डर्स ने छह कैच छोड़े। जो कि 2019 के बाद पहली बार हुआ है जब टीम ने टेस्ट मैच की पहली पारी में पांच या उससे अधिक मौके गंवाए। खासकर यशस्वी जायसवाल की फील्डिंग सवालों में रही। जायसवाल ने पहली पारी में तो शानदार शतक से वाहवाही बटोरी, लेकिन स्लिप में तीन कैच छोड़कर आलोचना का शिकार हो गए। खास बात ये रही कि तीनों मौके जसप्रीत बुमराह की गेंदों पर आए। पहला मौका आया दूसरे दिन जब उन्होंने बेन डकेट का कैच छोड़ा। डकेट तब 15 रन पर थे और बाद में 62 रन बना गए। इसके बाद यशस्वी ने ओली पोप का कैच छोड़ा जब वह 60 पर थे और वह 106 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, तीसरे दिन हैरी ब्रूक का कैच तब गिराया जब वह 83 पर थे और वे 99 रन बनाकर आउट हुए। इन तीनों खिलाड़ियों ने कुल मिलाकर 109 रन और जोड़ दिए, जो भारत की बढ़त को काफी सीमित कर गया।

यशस्वी पर भड़के संजय मांजरेकर

पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने सुझाव दिया है कि बाकी टेस्ट के लिए जायसवाल को स्लिप से हटा देना चाहिए और उनकी जगह साई सुदर्शन को वह जिम्मेदारी देनी चाहिए। मांजरेकर का मानना है कि टीम को हमेशा दो अतिरिक्त स्लिप फील्डर तैयार रखने चाहिए। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया और उससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में मैंने जायसवाल को गली में शानदार कैच लेते देखा। तब मुझे लगा था कि भारत को एक बेहतरीन गली फील्डर मिल गया है। लेकिन इस टेस्ट में उन्होंने 3 कैच छोड़े हैं। बता दें कि भारत-इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे लीड्स टेस्ट मैच का तीसरा दिन भारत के नाम रहा। पहले टीम इंडिया के गेंदबाजों ने इंग्लैंड की पहली पारी को 465 के स्कोर पर रोक दिया और 6 रन की लीड ले ली। इसके बाद भारत ने 2 विकेट खोकर 90 रन बना लिए। भारत के पास अभी 96 रनों की लीड है। केएल राहुल और शुभमन गिल नाबाद हैं।

कप्तानी पर भी उठ रहे सवाल

इस मुकाबले में गिल की कप्तानी पर भी सवाल उठ रहे हैं। खासतौर पर गेंदबाजों के चयन और उनके इस्तेमाल को लेकर। वहीं, फील्डिंग की सजावट में भी कमियां दिखीं। यशस्वी बार-बार स्लिप में गलती कर रहे थे। लेकिन गिल ने उन्हें वहां से नहीं हटाया। साथ ही जब इंग्लैंड के 8 विकेट गिर गए थे तब बुमराह को लाने में गिल ने देरी की। आखिरकार जब बुमराह के हाथ में गेंद आई तो उन्होंने इंग्लैंड को ऑल आउट कर दिया। वहीं, शार्दुल ठाकुर से इस मैच में केवल 6 ओवर की गेंदबाजी की। जबकि उन्हें और ओवर दिए जा सकते थे।

2022 की हताशा के बाद भारतीय महिला टीम की नजरें एशियाई कप पर

चियांग माइ । कोरोना महामारी के कारण पिछले एएफसी महिला एशियाई कप में अभियान पटरी से उतरने के तीन साल बाद भारतीय टीम सोमवार से शुरू हो रहे क्वालीफायर्स में नये सिरे से शुरूआत करने उतरेगी जिसमें पहला मुकाबला मंगोलिया से होना है। एएफसी महिला एशियाई कप अगले साल आस्ट्रेलिया में खेला जायेगा। पिछले कुछ दशक में इस टूर्नामेंट में किस्मत ने भारत का साथ नहीं दिया है। भारतीय टीम ने आखिरी बार 2003 में एएफसी महिला एशियाई कप में जगह बनाई थी। इसके बाद जब 2022 में भारत की मेजबानी में टूर्नामेंट हुआ तो टीम में कोरोना संक्रमण फैल गया और पहले मैच से पूर्व ही भारत को नाम वापिस लेना पड़ा। भारत एशियाई महिला चैम्पियनशिप में तीन बार पोडियम पर रह चुका है। वह 1980 और 1983 में उपविजेता रहा और 1981 में तीसरे स्थान पर रहा है लेकिन पिछले चार दशक से अधिक समय में झोली खाली ही रही है। मंगोलिया के खिलाफ पहले मैच के बाद 71वीं रैंकिग वाली भारतीय टीम तिमोन लेस्टे (158वीं रैंक) से 29 जून को, ईराक (173) से दो जुलाई और मेजबान थाईलैंड (46) से पांच जुलाई को खेलेगी।

कनाडा दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई

ओंटारियो। कनाडा ने भारत-श्रीलंका में अगले साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। कनाडा दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार, कनाडा ने अमेरिका क्वालिफायर में बहामास के खिलाफ जीत हासिल करके टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की। टीम की यह लगातार पांचवीं जीत रही। कनाडा ने रविवार को खेले गए मैच में पहले गेंदबाजी करते हुए बहामास को 57 रन पर ऑलआउट कर दिया। इसके बाद सिर्फ 5.3 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेल सकते हैं आर्चर

काउंटी क्रिकेट में चार साल बाद वापसी, ससेक्स के लिए खेलेंगे

हेडिंग्ले । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में खेल सकते हैं। आर्चर रविवार से काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स टीम से खेलेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, आर्चर काउंटी मैच में फिट रहे तो दूसरे टेस्ट में उन्हें खिलाया जा सकता है। दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा। वहीं इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने भी भारत-इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले बयान दिया था कि 30 साल के आर्चर फिर से टेस्ट जर्सी पहनने के लिए बेताब हैं। आर्चर चार साल से टेस्ट टीम से बाहर हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी का पहला टेस्ट हेडिंग्ले में खेला जा रहा है। इस टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज पहली पारी में इंग्लिश टीम पर हावी रहे। भारत ने पहली पारी में 471 रन बनाए हैं। वहीं, इंग्लिश टीम भी 3 विकेट खोकर 209 रन बना लिए हैं। जोफ्रा आर्चर आज (रविवार) से शुरू हो रहे ससेक्स और डरहम के बीच काउंटी चैंपियनशिप के मैच में ससेक्स से खेल सकते हैं।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

भगवान गोली नहीं चलवाना जब जयदीप अहलावत और कमल हासन को न्यूयॉर्क पुलिस ने घेरा...

एक्टर जयदीप अहलावत बॉलीवुड इंडस्ट्री के सबसे टैलेंटेड एक्टर्स में से एक हैं। उनका काम ऑडियंस को बेहद पसंद आता है। जयदीप के पिछले कुछ प्रोजेक्ट्स फैंस को काफी पसंद आए हैं। लेकिन एक फिल्म में काम करते समय उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ी थी। वो शूटिंग के दौरान पुलिस से घिर गए थे जिसे देखकर एक्टर को काफी डर महसूस हुआ।

हाल ही में जयदीप ने लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में एक किस्से का जिक्र किया जब उन्हें न्यूयॉर्क पुलिस ने घेर लिया था। वो उस दौरान कमल हासन की फिल्म विश्वरूपम में काम कर रहे थे। जयदीप ने बताया कि न्यूयॉर्क पुलिस ने उन्हें हर तरफ से घेर लिया था और वो उनकी टीम पर गोली चलाने वाले थे। एक्टर ने बताया, हम न्यूयॉर्क में कमल हासन के डायरेक्शन में बन रही फिल्म विश्वरूपम शूट कर रहे थे। न्यू जर्सी और मैनहैटन के बीच के ब्रिज पर एक सीन का शूट था।

मैं गाड़ी चला रहा था और मेरे साथ राहुल बोस बैठे थे। पीछे कैमरामैन और कमल (हासन) जी सीन शूट कर रहे थे। हमारी गाड़ी के आगे-पीछे गाड़ियों का काफिला चल रहा था। वो सभी बड़ी गैंगस्टर लुक एसयूवी थीं जिसमें काले शीशे लगे हुए थे। हम ब्रिज पर टोल देकर चलने लगे। ऐसी सूचना मिली की गाड़ी को धीरे-धीरे चलाना है। हम लोगों का काफिला ब्रिज पर अलग ही नजर आ रहा था और उस वक्त न्यू ईयर का टाइम भी चल रहा था।

भारतीय बाजार के लिए अहम होगा यह सप्ताह

मेट्रो बाजार

मुंबई। शेयर बाजार के लिए 23 जून से शुरू होने वाला हफ्ता अहम होने वाला है। इजराइल-ईरान युद्ध और विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री से लेकर टेक्निकल फैक्टर्स बाजार की चाल तय करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, 25 जून एक बड़ा टाइम-साइकिल है, जिसके आसपास बाजार में रिवर्सल या मोमेंटम में बड़ा शिफ्ट देखने को मिल सकता है। 24-26 जून के बीच ट्रेंड एग्जॉशन या ब्रेकआउट के सिग्नल्स मिल सकते हैं। ट्रेडर्स को इस दौरान अलर्ट रहना चाहिए। अब 5 फैक्टर्स जो बाजार की दिशा तय कर सकते हैं

इजरायल-ईरान युद्ध- मिडिल ईस्ट

में चल रहा तनाव ग्लोबल मार्केट्स के लिए बड़ा रिस्क है। इजराइल के बाद हाल ही में अमेरिका ने भी ईरान के न्यूक्लियर साइट्स पर हमले किए, जिससे क्रूड ऑयल की कीमतें 18त्न तक बढ़ चुकी है। अगर ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की कोशिश करता है या अमेरिकी मिलिट्री बेस पर हमला होता है, तो तेल की कीमतें और उछल सकती हैं। इससे भारत जैसे तेल आयातक देशों के लिए महंगाई बढ़ने का खतरा है, जो शेयर बाजार के लिए निगेटिव हो सकता है।

2. विदेशी निवेशकों का रुख-विदेशी निवेशकों ने 20 जून को भारतीय बाजार में 7,940.70 करोड़ रुपए की खरीदारी की। ये इस साल का तीसरा सबसे बड़ा सिंगल-डे इन-फ्लो है।

रिलीज हुआ सरदार जी 3 का ट्रेलर

दिलजीत करेंगे पाक एक्ट्रेस हानिया आमिर संग रोमांस

पंजाबी सेंसेशन दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सरदार जी 3 की तैयारी में लगे हुए हैं। कुछ दिनों पहले फिल्म का मजेदार ट्रेलर रिलीज हुआ था जिसमें वो हमें भूत-प्रेत पकड़ते नजर आए थे। अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज से थोड़े समय पहले एक और ट्रेलर रिलीज किया है जिसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आ रही हैं।

दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया ट्रेलर रिलीज किया है जिसमें वो पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ रोमांस करते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में एक्ट्रेस दिलजीत के साथ भूत-प्रेत पकड़ती दिख रही हैं। उन्हें भी दिलजीत की तरह भूत-प्रेत से भिड़ने में माहिर दिखाया गया है। फिल्म में दिलजीत नीरू बाजवा के साथ तो रोमांस करेंगे ही, लेकिन साथ में वो हानिया संग भी गाने गाते नजर आएंगे। दिलजीत की फिल्म सरदार जी 3 में हानिया आमिर की मौजूदगी पर सस्पेंस पिछले काफी समय से बना हुआ था। हानिया दिलजीत और नीरू बाजवा संग एक फोटो में जरूर नजर आई थीं। फिर एक्ट्रेस सिंगर के कॉन्सर्ट भी पहुंच गई थीं।

लेकिन जब फिल्म के सेट से फोटोज भी रिलीज हुईं, तब हानिया नहीं नजर आईं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ऐसा लगा कि शायद मेकर्स ने उन्हें फिल्म से हटा दिया है। मगर ऐसा नहीं हो पाया।

पाकिस्तानी आर्टिस्ट पर है बैन, क्या रिलीज होगी फिल्म?

दिलजीत की फिल्म में हानिया आमिर का होना कई लोगों को खटक सकता है। खासतौर पर तब जब कई सारे पाकिस्तानी आर्टिस्ट्स ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ काफी कुछ कहा था। जब कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, तब सरकार ने पाकिस्तानी आर्टिस्ट्स पर पूरी तरह से बैन लगाया था। इसका खामियाजा फवाद खान की बॉलीवुड कमबैक फिल्म अबीर गुलाल को भी भुगतना पड़ा था। अब देखना होगा कि क्या अबीर गुलाल की तरह दिलजीत की सरदार जी 3 जो 27 जून को थिएटर्स में रिलीज होगी, उसपर भी बैन लगेगा? बता दें, दिलजीत की फिल्म में एक्टर गुलशन ग्रोवर का भी कैमियो है।

अप्रैल-जून में घरों की बिक्री में 19 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान

नई दिल्ली। देश के नौ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री कम पेशकश और कमजोर मांग के कारण अप्रैल-जून में 19 प्रतिशत घटकर 94,864 इकाई रहने का अनुमान है। रियल एस्टेट आंकड़ा विश्लेषक कंपनी प्रॉपइक्विटी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

प्रॉपइक्विटी ने रविवार को जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि चालू कैलेंडर वर्ष की दूसरी तिमाही में घरों की बिक्री 19 प्रतिशत घटकर 94,864 इकाई रहने का अनुमान है, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,16,432 इकाई थी। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) समीर जसूजा ने कहा, ÷यह 2021 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के बाद पहली बार है जब घरों की बिक्री एक लाख इकाई के स्तर से नीचे आई है। आपूर्ति भी लगातार चौथी तिमाही में एक लाख इकाई से कम रही है।÷ समीक्षाधीन अवधि के दौरान नई आपूर्ति 1,17,208 इकाई से 30 प्रतिशत घटकर 82,027 इकाई रहने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार, इस साल अप्रैल-जून में बेंगलुरु में घरों की बिक्री छह प्रतिशत घटकर 14,676 इकाई रहने का अनुमान है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 15,582 इकाई थी। हैदराबाद में आवासीय संपत्तियों की बिक्री 14,704 इकाई से 20 प्रतिशत घटकर 11,815 इकाई रहने का अनुमान है। मुंबई में घरों की बिक्री 12,114 इकाई से 34 प्रतिशत घटकर 8,006 इकाई रह सकती है। नवी मुंबई में बिक्री 8,224 इकाई से 17 प्रतिशत घटकर 6,833 इकाई रहने की संभावना है।

बुजुर्ग ने जहरीला पदार्थ पीया, मौत

भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र स्थित गांव गोंडिया में एक बुजुर्ग ने जहरीला पदार्थ पी लिया। उल्टियां करने पर परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार बाबूलाल साहू (63) गांव गोंडिया गुनगा में रहते थे। वे शराब पीने के आदी थे। परिजन ने बताया कि शराब के नशे में गत 18 जून की रात उन्होंने कोई जहरीला पदार्थ पी लिया। जहरीला पदार्थ?पीने से उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। उल्टियां करने पर वे बाबूलाल को लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान रविवार रात बाबूलाल की मौत हो गई। मरने से पूर्व उनके बयान नहीं हो सके थे।

युवती ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित विकास नगर झुग्गी में रविवार सुबह एक युवती ने फांसी लगा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। युवती के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त कर लिया है। मोबाइल का पैटर्न लॉक खुलवाया जा रहा है साथ ही सीडीआर निकलवाई जा रही है। पुलिस के अनुसार रीना वर्मा पिता भगवान दास वर्मा (20) विकास नगर झुग्गी, गोविंदपुरा में रहती थी। बारहवीं तक पढ़ाई करने के बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी थी और घर के कामकाज करती थी। उसकी तीन बहनें और एक भाई है। सभी की शादी हो चुकी है और वह अपने परिवार के साथ अलग रहते हैं। रीना यहां मां और पिता के साथ रहती थी। पिता पीडब्ल्यूडी में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी हैं। रविवार को वह बाहर गए थे, जबकि मां घरों में काम करने जाती है और वह काम पर गई थी। इसी दौरान रीना ने घर में फांसी लगा ली। पड़ोस में रहने वाली बहन की बेटी ने रीना को फांसी के फंदे पर लटके देखा था। इसके बाद मां को बताया। मां मौके पर पहुंची तो रीना की मौत हो चुकी थी।

कंपनी में काम करते समय गिरी क्रेन मजदूर की मौत

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित औद्योगिक क्षेत्र में रविवार शाम क्रेन गिरने से एक मजूदर घायल हो गया। उसे साथी कर्मचारी इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां कुछ देर चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार लखन सिंह (45) सुभाष कॉलोनी, अशोका गार्डन में रहता था और औद्यागिक क्षेत्र अशोका गार्डन की एक कंपनी में काम करता था। रविवार शाम कंपनी में वह काम कर रहा था, तभी अचानक क्रेन गिर गई। क्रेन गिरने से वह क्रेन की चपेट में आ गया। साथी मजदूर उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बाइक में कपड़े फंसने से बाइक छोड़कर भाग चालक

घर के बाहर खेल रही मासूम को बाइक सवार ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित इस्लाम नगर रोड पर बाइक सवार युवक ने घर के बाहर खेल रही छह साल की मासूम को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मासूम को सिर, पसली और पैरों में गंभीर चोट आई है। हादसे के बाद मासूम के कपड़े बाइक में फंस गए थे। आरोपी अपनी बाइक छोड़कर भाग निकला।

पुलिस के अनुसार समरीन खान पिता इलियास खान (6) इस्लाम नगर रोड, ईटखेड़ी में रहती हैं। वह स्कूली छात्रा है। समरीन की मां ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार सुबह उनकी बेटी घर के बाहर खेल रही थी। रहमानी मस्जिद ईटखेड़ी की तरफ से एक बाइक सवार आया और उनकी बच्ची में टक्कर मार दिया। बच्ची की चीख पुकार वह दौड़कर बाहर आई। इस दौरान देखा तो बाइक चके में बच्ची का कपड़ा फंस गया था। बाइक वाला कपड़ा निकालने का प्रयास कर रहा था। इसी बीच उन्हें आता बाइक छोड़कर फरार हो गया।

मेरी लड़की को सिर में, चेहरे पर, पसली में तथा पैरो में चोट आई है। बाइक नई होने के कारण उसमें नंबर नहीं डला था। हादसे के बाद बच्ची को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक बनी

नाले में मिली युवक की लाश से सनसनी, पीएम रिपोर्ट का इंतजार

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित अस्सी फीट रोड पर रविवार शाम नाले में एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान ऐशबाग जनता क्वार्टर में रहने वाले शख्स के रूप में कर ली गई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे। आज लाश पीएम के बाद परिजन को सौंप दी गई। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि मृतक शराब पीने का आदी था। पुलिस के अनुसार रविवार शाम करीब छह बजे सूचना मिली थी कि प्रभात चौराहा से कुछ दूरी पर अस्सी फीट रोड किनारे नाले में किसी युवक की लाश पड़ी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दी। आसपास के लोगों ने उसकी पहचान अरशद उर्फ दानिश (30) जनता कॉलोनी ऐशबाग के रूप में कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए?थे। परिजन ने बताया कि असलम शराब पीने का आदी?था। पुलिस का अनुमान है कि वह शराब के नशे में नाले के पास बैठे बैठे अंदर गिरा है। हालांकि पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

रेल्वे के रिटायर्ड कर्मियों के संघ का चुनाव

भोपाल रेल मंडल में एआईआरआरएफ. के चुनाव में जीजी. दमाड़े एवं रमन सिंह राजपूत कों महत्वपूर्ण पद क्रमशः अध्यक्ष एवं सचिव पद के लिये चुना गया है। संघ के सदस्यों ने उन्हें शुभकामनायें दी हैं तथा विश्वास जताया है कि दोनों पदाधिकारी इन पदों की गरिमा बढ़ाएंगे पेशनर हित को महत्व देते हुए कार्य करेगे।

बेकाबू कार डिवाइडर पर चढ़कर पलटी, दो मौतें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में एयरपोर्ट रोड पर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर पहले तो डिवाइडर पर चढ़ गई और फिर सड़क के दूसरी ओर जाकर पलट गई। इस दौरान कार एक लोडिंग ऑटो से भी टकरा गई। इस हादसा में कार चला रहे 17 साल के लड़के दानिश खान की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ऑटो चालक समेत तीन लोग घायल हो गए।

इनमें से एक हनी अली ने इलाज के दौरान शाम को दम तोड़ दिया। एक की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं ऑटो चालक मामूली रूप से घायल है। कोहेफिजा थाना प्रभारी केजी शुक्ला ने बताया कि दानिश पिता जहीर खान (17) करोद स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहता था।

वह अपने दोस्तों के साथ परवलिया रोड पर एक ढाबे पर गया था। लौटते वक्त उसकी कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। इसी दौरान वह सामने से आ रहे लोडिंग ऑटो से भी टकरा गई।

टक्कर इतनी जोरदार थीहादसे के बाद आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस-एम्बुलेंस को सूचना दी। कार में दो लोग फंसे हुए थे, जिन्हें निकालने में करीब एक घंटा लग गया। एक युवक कार की अगली सीट और डेशबोर्ड के बीच फंसा था। गेट तोड़कर उसे बाहर निकाला गया।

मेट्रो एंकर मरीज को खुद ही स्ट्रेचर से ले जाते हैं परिजन

हमीदिया में हृदय रोगियों के लिए कठिन हुआ रास्ता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के हमीदिया अस्पताल से एक ऐसा वीडियो वायरल है जो चिंता पैदा कर रहा है। इसमें एक हृदय रोगी को उसका परिजन स्ट्रेचर पर धक्का देता हुआ पुरानी कैथलैब से नए भवन की 11वीं मंजिल तक ले जाता दिख रहा है।

मगर रास्ते में ढलान पर परिजन का संतुलन बिगड़ जाता है, वह किसी तरह खुद को संभालते हुए मरीज को गिरने से बचाता है। माना जा रहा है कि समय रहते संभलने से बड़ा हादसा टल गया है। इससे स्टाफ की कमी और मरीज सुरक्षा की खामियां उजागर हो रही हैं।

जबकि अस्पताल प्रबंधन ने पुरानी कैथलैब से वार्ड तक मरीजों को लाने-ले जाने के लिए एम्बुलेंस सुविधा देने का दावा किया था। जबकि न तो एम्बुलेंस है और न ही मरीजों को ले जाने के लिए कोई सपोर्ट स्टाफ है। बताया जाता है कि हर महीने कैथलैब में प्रोसीजर के लिए आने वाले 300 से 400 हृदय रोगियों की है।

उल्लेखनीय है कि फिलहाल पुरानी कैथलैब ट्रॉमा बिल्डिंग के पीछे चल रही है। इसके सामने का जर्जर भवन तोड़ा जा रहा है। प्रोसीजर के

बाद मरीजों को स्ट्रेचर या व्हीलचेयर पर परिजन धक्का देकर पुरानी कैथलैब से पुरानी फार्मेसी तक चढ़ाई पार कराते हैं। इसके बाद अमृत फार्मेसी और फिर नए भवन तक ले जाना होता है। बीच में एक सीधी ढलान भी है, जो बारिश में फिसलन भरी हो जाती है। इससे हादसे का खतरा बना रहता है। करीब आधा किलोमीटर के इस रास्ते में एक ओर निर्माण कार्य चल रहा है, जिससे भारी वाहन आते-जाते रहते हैं। पूरे रास्ते में धूप और बारिश से बचने का कोई इंतजाम नहीं है, जिससे मरीजों और परिजनों को काफी परेशानी होती है।

टर्निंग स्थल कम होने की वजह से हालात बिगड रहे

देशभर में मजाक बने चुके भोपाल के ऐशबाग रेलवे ओवर ब्रिज पर यातायात शुरू करने को लेकर कवायद शुरू हो रही है लेकिन यातायात सुरक्षा के लिए आरओबी पर पहले सर्वे का काम शुरू होगा। इसके बाद ही आमजन के लिए पुल का रास्ता खोला जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पूर्व मुख्य अभियंता एके चिंडके द्वारा सुरक्षा उपायों को लेकर दिए गए सुझाव पर लोक निर्माण विभाग ने काम शुरू करने का मन बना लिया है। दरअसल यह पुल अपने 90 डिग्री मोड़ के कारण चर्चा में है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022